विचार

छल करोगे तो छल मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा, अगर जियोगे जिंदगी सच्चाई से, तो सुकून हर पल मिलेगा !

दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

भारत टाइम्स

www.bharattimesnews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

D.Edition.....

Reg.No.RJ26D00120077

bharattimesnews01@gmail.com

वर्ष- 3 | अंक- 358 | पेज-8 | दिल्ली, सोमवार 9 फरवरी 2026 | पेज- 7.

सार-समाचार

थाईलैंड चुनाव: अनुतिन की पार्टी को स्पष्ट बढ़त, नई सरकार से स्थिरता की उम्मीद

बैंकॉक। थाईलैंड के आम चुनाव में प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल की भूमिका वाली भूमजाइथाई पार्टी को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है। शुरूआती नतीजों के मुताबिक पार्टी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों पर अच्छी बढ़त बना ली है, जिससे देश में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता के बाद अपेक्षाकृत स्थिर सरकार बनने की संभावना बढ़ गई है। चुनाव आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों की गिनती के बाद भूमजाइथाई पार्टी आगे रही, जबकि दूसरे स्थान पर प्रगतिशील पीपुल्स पार्टी और उसके बाद फेउ थाई पार्टी का नंबर रहा। हालांकि भूमजाइथाई को पूर्ण बहुमत मिलना मुश्किल माना जा रहा है, लेकिन वह सरकार गठन और नीतिगत फैसलों में मजबूत स्थिति में दिख रही है।

दिल्ली पुलिस ने आप नेता सौरभ भारद्वाज को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। जनकपुरी में बाइक सवार कमल ध्यानी की मौत के मामल पर सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने सौरभ भारद्वाज को उस वक्त हिरासत में लिया जब वो पार्टी नेताओं के साथ मृतक के घर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर जमकर हमला बोला। भारद्वाज ने कहा कि कानून व्यवस्था पर किसी का ध्यान नहीं है। जो लोग आवाज उठा रहे हैं उसकी आवाज को दबाने का काम हो रहा है और कोई काम नहीं हो रहा है। हम लोग आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने जनकपुरी पहुंचकर बाइकर कमल ध्यानी के परिवार से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार की परेशानी का जिक्र करते हुए कहा कि हादसे के बाद परिवार पूरी रात न्याय की तलाश में भटकता रहा। उन्होंने कहा कि हम श्रद्धांजलि देने आए हैं। कमल ध्यानी के घरवाले छह थानों में घूमे हैं, लेकिन उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। इससे पहले भी सौरभ भारद्वाज ने जनकपुरी हादसे को लेकर दिल्ली पुलिस और आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया था कि इस पूरे मामले में पुलिस की लापरवाही साफ दिखाई देती है। जरूरी जानकारी जानबूझकर छिपाई गई।

सऊदी अरब ने स्पेन की टैल्गो से खरीदी 20 हाई-स्पीड ट्रेनें, 1.33 अरब यूरो का बड़ा करार

मैड्रिड। सऊदी अरब ने स्पेन की रेल निमार्ता कंपनी टैल्गो एसए से 20 नई हाई-स्पीड ट्रेनों का ऑर्डर दिया है। इस सौदे की जानकारी कंपनी और स्पेन के परिवहन मंत्री ने दी। टैल्गो के बयान के मुताबिक इस करार से कंपनी की ऑर्डर बुक में 1.33 अरब यूरो की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद कुल ऑर्डर बैकलॉग लगभग 6 अरब यूरो के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इस समझौते में ट्रेनों के रखरखाव (मेंटेनेंस) का प्रावधान भी शामिल है। यह सौदा स्पेन के रेल सेक्टर के लिए राहत भरी खबर माना जा रहा है। हाल ही में कॉर्डोबा के पास हुए एक भीषण रेल हादसे में 46 लोगों की मौत के बाद देश के रेल नेटवर्क की सुरक्षा और रखरखाव पर सवाल उठे थे। उस दुर्घटना ने बढ़ती यात्री संख्या के मुकाबले बुनियादी ढांचे में निवेश की रफ्तार पर बहस छेड़ दी थी। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुंते ने सोशल मीडिया पर इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि इससे सऊदी हाई-स्पीड रेल परियोजना में स्पेन की सरकारी रेल कंपनी रेनफे की प्रबंधन भूमिका 2038 तक जारी रहेगी। उन्होंने इसे स्पेनिश कंपनियों के लिए 2.8 अरब यूरो से अधिक के निवेश का अवसर बताया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मुंबई में कहा

समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है

एजेंसी, मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित रुनए क्षितिजश कार्यक्रम के दूसरे दिन के दूसरे सत्र को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उसके लिए संघर्ष की स्थिति पैदा न हो। उत्तराखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता के संबंध में पहले प्रस्ताव किया, फिर लोगों के सुझाव मांगे, तीन लाख सुझाव आए। उसके बाद उन्होंने कानून बनाया। कानून बन जाना पर्याप्त नहीं है। कानून का पालन होना चाहिए। इस सबके बावजूद हम विविधता में एकता के पक्षधर हैं। हम एक समाज है, हमें अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक मानकर विचार नहीं करना चाहिए। अलग-अलग होने पर हम सब अल्पसंख्यक ही हैं।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि बुद्ध ने अपने धर्म को भी सनातन धर्म ही कहा है। हिन्दू अपने आप में कोई धर्म नहीं है। सनातन धर्म की दो शाखाएँ-वैदिक धर्म और बौद्ध धर्म हैं। आज जो इस्लाम का स्वरूप दिख रहा है, वह मोहम्मद साहब का इस्लाम नहीं है। आज जो ईसाइयत है, वह ईसा मसीह की ईसाइयत नहीं है। आज का इस्लाम और ईसाइयत उनकी आध्यात्मिक अवधारणा को छोडकर राजनीतिक वर्चस्व के रास्ते पर चल निकले हैं। वे सच्चे इस्लाम और सच्ची ईसाइयत की ओर लौटें, इसकी आवश्यकता है। हिंदू को सबको अपनेपन और शांति की बात करनी है। हिंदू के बारे में बस इतना हो जाए कि इनका कोई बाल-बाँका नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में कोई एकाकी नहीं रह सकता, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर डील करनी ही पड़ती है। उसमें कुछ लेना पड़ता है तो कुछ छोड ?ा भी पड़ता है। अपने हित में क्या है, इसका ध्यान रखना ही चाहिए। हमें विश्वास है कि वर्तमान समय में उसका ध्यान रखा ही गया होगा। पिछले 10 वर्षों का जो एडमिनिस्ट्रेशन है, वह अड़नेवाला और तन कर खड़ा रहने वाला है। ज्ञान तो सारी दुनिया से आना चाहिए, परंतु जो लेना है, परिक्षण करके लेना चाहिए। बिना अपने देश की आकांक्षा, परंपरा और किसानों के हित को जाने, नया है इसलिए बराबर स्वीकार कर लेना ठीक नहीं। इसलिए हमारा संवेदनशील होना ठीक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने से हमारे अच्छे दिन शुरू हुए, ऐसा नहीं है। बल्कि उसका उल्टा है। हम राम मंदिर के पक्ष में खड़े हुए, जो राजनीतिक पक्ष उस पक्ष में खड़े हुए, उसको लाभ हुआ। बाकी दलों के लोग साथ नहीं आए। आपातकाल, गुरूजी जन्मशती, राम मंदिर आंदोलन का आदि के माध्यम से आप सभी के सहयोग और स्वयंसेवकों के पुरूषार्थ से ही हमारे अच्छे दिन आए हैं। उसका लाभ हमारा समर्थन करने वालों को मिला है। कम्युनिस्ट पार्टी का 100 वर्षों में विस्तार नहीं हुआ, यह प्रश्न उनसे पूछना चाहिए। अगर वे हमसे आकर पूछते हैं, तो हम उनका मार्गदर्शन करने को तैयार हैं। सिद्धांतहीन राजनीति चल जाती है, इसलिए चलाते हैं। जब पता चलेगा कि नहीं चलेगी तो वे करना बंद कर देंगे। संस्कृत बोलनी चाहिए, भाषा वही जीवित रहती है, जो चलन में रहती है। जेन जी भी यह समझ रही है कि आइडेंटिटी नाम की एक चीज है। हम नई पीढ़ी को उनकी भाषा में अपनी थाती सौंप सकते हैं क्या? क्या जो हिन्दुत्व हम उन्हें सौंपना चाहते हैं, वह हिन्दुत्व हम समझ चुके हैं।

असम बीजेपी के AI वीडियो पर विवाद

कांग्रेस बोली- यह सामूहिक हिंसा और नरसंहार का आह्वान

नई दिल्ली। असम बीजेपी ने अपने ऑफिशियल हैंडल पर एक पोस्ट की लेकिन इसे लेकर जब विवाद हुआ तो पार्टी ने पोस्ट को डिलीट कर दिया। इस पोस्ट में एक अक वीडियो था जिसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को टोपी पहने हुए दो लोगों पर राइफल ताने हुए दिखाया गया था। इन दो लोगों में से एक का चेहरा कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई से मिलता-जुलता था। शनिवार 'Point blank shot' शीर्षक के साथ यह अक वीडियो पोस्ट किया गया था। वीडियो में सीएम सरमा को दो लोगों की तस्वीर पर गोली चलाते हुए दिखाया गया था और वीडियो के अंत में उन्हें काउबॉय की तरह कपड़े पहने और बंदूक लहराते हुए दिखाया गया।

वीडियो में लिखा था- बांग्लादेशियों पर कोई दया नहीं, तुम पाकिस्तान क्यों गए? और विदेशी-मुक्त असम” जैसे वाक्य लिखे गए थे।

कांग्रेस ने इस वीडियो की आलोचना की और कहा कि यह बेहद ही खराब वीडियो है और इसे किसी ट्रोल द्वारा की गई सामान्य टिप्पणी कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। पार्टी ने कहा कि यह सामूहिक हिंसा और नरसंहार का आह्वान है।

कांग्रेस ने अपने बयान में कहा कि समाज में जहर फैलाने वाले वाले इस कृत्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पार्टी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री से इस पोस्ट की निंदा करने और दोषियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती हालांकि न्यायपालिका को इस मामले में दखल देना चाहिए। विवाद बढ़ने के बाद असम बीजेपी ने इस पोस्ट को डिलीट कर दिया।

शांति का नोबेल फिर भी जेल; ईरान ने नरगिस मोहम्मदी को दी 6 साल कैद की सजा

तेहरान। ईरान की एक अदालत ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को छह साल की जेल की सजा सुनाई है। उनके वकील मुस्तफा नीली ने बताया कि यह सजा अपराध करने के लिए साजिश रचने और इकट्ठा होने के आरोप में दी गई है। ईरान की एक अदालत ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को छह साल की जेल की सजा सुनाई है। उनके वकील मुस्तफा नीली ने रविवार (8 फरवरी) को बताया कि यह सजा 'अपराध करने के लिए साजिश रचने और इकट्ठा होने' के आरोप में दी गई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

31 मार्च 2026 से पहले देश पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाएगा : शाह

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। साथ ही, गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न विकास कार्यों पर भी एक समीक्षा बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, नक्सलवाद अंत के कगार पर पहुँच चुका है और 31 मार्च 2026 से पहले देश पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाएगा। माओवादियों के खिलाफ चल रही लड़ाई बिखरी हुई नहीं होनी चाहिए। विभिन्न राज्यों और केन्द्रीय एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि, शेष बचे माओवादियों को अन्य राज्यों में भागने नहीं दिया जाना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि, छत्तीसगढ़ ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा

कि, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विकास के समान अवसर प्राप्त हों। केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार की सुरक्षा केन्द्रित रणनीति, इंफ्रास्ट्रक्चर, नक्सल फाइनेंशियल नेटवर्क पर प्रहार व आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा खेल, फॉरेंसिक और तकनीकी शिक्षा को गति देते हुए अपनी संस्कृति व परंपराओं को भी सहेज रहे हैं।

समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो (IB) के निदेशक, गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA), सीमा सुरक्षा बल (BSF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के महानिदेशक तथा छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र के गृह सचिव एवं पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया में भारतीय प्रवासियों से किया संवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मलेशिया में भारतीय प्रवासी समुदाय के विशिष्ट सदस्यों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने मंत्रियों, सांसदों, सीनेटरों तथा आजाद हिंद फौज के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया के डिजिटल मंत्री तुआन गोबिंद सिंह देव, मानव संसाधन मंत्री रमनन रामकृष्णन, प्रधानमंत्री विभाग में उप मंत्री तुआन एम. कुलसेगरन तथा राष्ट्रीय एकता के उप मंत्री तुआन आर. युनेसवरन सहित अन्य प्रमुख भारतीय मूल के नेताओं से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया के विकास और प्रगति में भारतीय प्रवासी समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय भारत-मलेशिया संबंधों को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रवासी भारतीय नेताओं ने भारत और मलेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने में प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की तथा भारत के परिवर्तन से जुड़े उनके दृष्टिकोण और पहलों का समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रवासी भारतीय नेताओं ने मलेशिया में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। इनमें मलेशिया में भारत का पहला वाणिज्य दूतावास खोलने का निर्णय, यूनिवर्सिटी मलाया में तिरुवल्लुवर केंद्र की घोषणा, तिरुवल्लुवर छात्रवृत्तियों की शुरूआत, मलेशिया में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए ओसीआई कार्ड की सुविधा को छठी पीढ़ी तक विस्तारित करना तथा मलेशियाई भारतीय छात्रों के लाभ के लिए भारतीय छात्रवृत्ति ट्रस्ट फंड में 30 लाख रिंगिट मलेशिया की पुनःपूर्ति शामिल है। प्रधानमंत्री ने आजाद हिंद फौज की बालक सेना के वरिष्ठ सदस्य जेयराज राजा राव तथा नेताजी वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष रथाकृष्णन से भी मुलाकात की। उन्होंने आईएनए और उसके वीर सेनानियों के अद्वितीय साहस और बलिदान के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सशक्त और आधुनिक भारत के स्वप्न को साकार करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

एसआईआर मामले में ममता बनर्जी की सुप्रीम कोर्ट में उपस्थिति के खिलाफ अर्जी दायर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के द्वारा एसआईआर मामले में अदालत में उपस्थित होने को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दायर की गई है। ममता बनर्जी 4 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट पहुंची थीं और पश्चिम बंगाल की सरकार द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर उन्होंने अपना पक्ष अदालत में रखा था।

ममता बनर्जी ने लोकतंत्र को बचाने के लिए मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया में दखल देने का अदालत से आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच राज्य में जारी एसआईआर कवायद से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगी। इसमें ममता बनर्जी द्वारा दायर याचिका भी शामिल है। इस मामले में अखिल भारत हिंदू महासभा के उपाध्यक्ष सतीश कुमार अग्रवाल ने दखल देने की मांग करते हुए अदालत में अर्जी दायर की है।

क्या कहा है अर्जी में?

अर्जी में ममता बनर्जी की सुप्रीम कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थिति को संवैधानिक रूप से गलत और कानूनी रूप से अस्वीकार्य बताया गया है। बल्कि यह राज्य प्रशासन और भारत के संविधान तथा लागू चुनाव कानूनों के अनुसार मतदाता सूचियों का एसआईआर करने में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शक्तियों के संवैधानिक प्रयोग से संबंधित है।

मणिपुर के उखरुल जिले में जनजातीय समूहों के बीच झड़प

मणिपुर के उखरुल जिले में रविवार शाम को दो जनजातीय समूहों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। इसके बाद प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू कर दी। प्रशासन से जुड़े अफसरों ने बताया कि जिले के लिटन गांव में हुई इस झड़प में शामिल लोगों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। कई गोलियां भी चलाये जाने की जानकारी मिली है, जिससे इलाके में तनाव बढ़ गया है। उखरुल जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि लिटन गांव में तांगखुल और कुकी समुदाय के सदस्यों के बीच शांति और सार्वजनिक व्यवस्था के भंग होने की आशंका है। क्या अपने बच्चे का फोन छीनना पाप है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, मैं, आशीष दास, जिला मजिस्ट्रेट, उखरुल, बीएनएसएस, 2023 की धारा 163 की उप-धारा 1 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आदेश देता हूं कि 8 फरवरी 2026 को शाम 7 बजे से अगला आदेश जारी होने तक अनुसूचित क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के अपने घर से बाहर निकलने और कोई भी अन्य कार्य या गतिविधि जो कानून-व्यवस्था को बाधित कर सकती है, पर प्रतिबंध रहेगा। आदेश में यह भी कहा गया कि यह प्रावधान सरकारी अफसरों और सुरक्षा बलों पर लागू नहीं होगा।

दूल्हे के पिता शादी में पेश की मिसाल, लोग दे रहे वाह-वाही....

देहज में मिले 51 लाख लौटाए, सिर्फ 1 रुपया और नारियल लिया

एजेंसी, भिंड

मध्यप्रदेश के भिंड जिले में शादी के दौरान दुल्हे के परिवार ने मिसाल पेश की है। इंजीनियर आकर्ष पाठक और उनके परिवार ने विवाह के दौरान दहेज में मिली 51 लाख रुपये की राशि सम्मानपूर्वक लौटाकर दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त संदेश दिया। शादी के मंडप में जब यह राशि लौटाई गई तो कुछ क्षणों के लिए लोग स्तब्ध रह गए, इसके बाद तालियों की गूंज ने पूरे माहौल को भावुक कर दिया। भिंड जिले के पाठक परिवार ने यह कदम उठाकर स्पष्ट किया कि उनके लिए विवाह कोई लेन-देन नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कारों का पवित्र मिलन है। दहेज की पूरी राशि लौटाते हुए परिवार ने प्रतीक स्वरूप केवल एक रुपया और एक नारियल स्वीकार किया, जिसने उपस्थित लोगों की आंखें नम कर दीं।

आकर्ष पाठक वर्तमान में छत्तीसगढ़ में इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता अनोज पाठक, जो भिंड की एक मार्केटिंग सोसायटी में असिस्टेंट मैनेजर हैं, ने बताया कि दहेज न लेने का निर्णय अचानक नहीं, बल्कि सालों से लिया गया संकल्प है। उन्होंने कहा कि दहेज समाज को खोखला करता है और अगर हम ही इसे रोकने की पहल नहीं करेंगे, तो बदलाव संभव नहीं है। शादी के दौरान जब लड़की पक्ष को दहेज की राशि लौटाई गई तो वे पहले असमंजस में पड़ गए। उन्हें लगा कि कहीं लड़के पक्ष की कोई नाराजगी तो नहीं है, लेकिन अनोज पाठक और उनकी पत्नी मनोरमा पाठक ने साफ किया कि यह फैसला समाज को नई दिशा देने की सोच का हिस्सा है, न कि किसी असंतोष का।

परिवार के बुजुर्ग सुरेश पाठक ने कहा कि आज भी दहेज के कारण मध्यम और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को अच्छे और योग्य रिश्ते नहीं मिल पाते। इसी सोच के तहत उन्होंने अपने इंजीनियर पोते की शादी दहेज मुक्त तरीके से एक मध्यम परिवार में की। उन्होंने यह भी कहा कि बहू को घर में बेटी की तरह सम्मान मिलना चाहिए, तभी समाज आगे बढ़ेगा। दुल्हन अनेक्षा उपाध्याय मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर की निवासी हैं। उनके पिता विनोद उपाध्याय, जबलपुर जिले में शिक्षक के रूप में पदस्थ हैं। बेटी की शादी में दहेज लौटाया जाना उनके लिए भावुक क्षण था, लेकिन उन्होंने पाठक परिवार के इस फैसले को खुले दिल से स्वीकार किया। भिंड के पाठक परिवार की यह पहल अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे केवल एक परिवार का निर्णय नहीं, बल्कि समाज को आईना दिखाने वाला कदम मान रहे हैं। शादी के मंडप से उठी यह आवाज साफ संदेश देती है कि बदलाव संभव है, बस किसी एक परिवार को साहस दिखाने की जरूरत होती है।

जैन विश्व भारती में विरल जैन दीक्षा समारोह का आयोजन

- सक्षमता की सार्थकता उसके अच्छे उपयोग में : आचार्य श्री महाश्रमण
- मुमुक्षु सलोनी व मुमुक्षु खुशी ने गुरुदेव से स्वीकारा संयम जीवन
- योगक्षेम वर्ष हेतु बहिर्विहार से पहुंचने लगे साधु-साध्वी वृंद

♦भारत टाइम्स♦
लाडनूं, डीडवाना-कुचामण (राजस्थान)

जैन विश्व भारती, लाडनूं में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में आज एक भावपूर्ण एवं ऐतिहासिक दीक्षा समारोह संपन्न हुआ। योगक्षेम वर्ष के दीर्घकालीन प्रवास के अंतर्गत यह प्रथम दीक्षा समारोह आयोजित हुआ। दीक्षा समारोह में पूज्यप्रवर द्वारा मुमुक्षु सलोनी नखत को साध्वी दीक्षा तथा मुमुक्षु खुशी सुराणा को समणी दीक्षा प्रदान की गई। दीक्षा संस्कार के पश्चात आचार्यश्री ने मुमुक्षु सलोनी नखत का आध्यात्मिक नामकरण करते हुए साध्वी सुकृतप्रभा एवं मुमुक्षु खुशी सुराणा का नामकरण समणी गीतप्रज्ञा नाम प्रदान किया। दीक्षा समारोह की एक विशेष और विरल विशेषता यह रही कि मुमुक्षु सलोनी नखत की दीक्षा की घोषणा मात्र दो घंटे पूर्व ही हुई। इतने अल्प समय में दीक्षा की घोषणा एवं तत्क्षण दीक्षा संपन्न होना विरल अवसर पर ही ऐसा होता है। यह प्रसंग वैराग्य की तीव्रता एवं गुरुकृपा का सजीव उदाहरण बना। मुख्य प्रवचन कार्यक्रम में निर्धारित समय पर दीक्षा समारोह का शुभारंभ हुआ। आचार्य प्रवर द्वारा दीक्षार्थियों से प्रश्नोत्तर कर उनका परीक्षण किया गया। आगम वाणी के उच्चारण के साथ ही कुछ क्षण पूर्व तक संसारी जीवन में स्थित मुमुक्षु, संयम जीवन में प्रविष्ट हो गईं। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं की परिषद ने ह्यमत्थेण वन्दामिह्न के घोष के साथ नवदीक्षितों को वंदन किया। दीक्षा संस्कार के अंतर्गत साध्वी दीक्षा का केशलोचन संस्कार, आचार्यश्री की आज्ञा से साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभा जी द्वारा संपन्न हुआ। इसके पश्चात धर्मध्वज रजोहरण नवदीक्षित साध्वीश्री को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि जैन विश्व भारती, लाडनूं में चल रहे योगक्षेम वर्ष प्रवास के दौरान यह पहला दीक्षा समारोह है।

मंगल देशना में गुरुदेव ने कहा - हमारे ३२ आगमों में से दशवैकालिक सूत्र एक मूल आगम है, जो साधु-साध्वियों के लिए अत्यंत स्मरणीय और मननीय है। साधु को कैसे बोलना चाहिए, गोचरी की विधि क्या हो और भिक्षु के लक्षण क्या हैं, यह जानने के लिए यह आगम बहुत महत्वपूर्ण है। साधु-साध्वियों और समणियों को यह आगम कंठस्थ रहना चाहिए, साथ साथ इसका परायण भी होता रहे। यदि रोज पूरा न हो सके, तो सप्ताह में एक बार इसका पारायण अवश्य कर लें।

गुरुदेव ने आगे कहा कि अभी परम पूजनीय आचार्य श्री भिक्षु का ३००वां जन्म वर्ष भिक्षु चेतना वर्ष चल रहा है। दशवैकालिक के दसवें अध्ययन में भी बार-बार 'भिक्खू-भिक्खू' शब्द आता है। हमें उस अध्ययन में बताई गई बातों को आत्मसात कर तेजस्वी सन्यास और साधना का जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही, साधु-साध्वियों, समणियों और मुमुक्षुओं में सेवा का भाव भी रहना चाहिए। अपनी शारीरिक और बौद्धिक सक्षमता का उपयोग दूसरों के सहयोग और धर्म संघ की प्रभावना के लिए करना चाहिए, क्योंकि सक्षमता की सार्थकता तभी है जब उसका अच्छा उपयोग होता रहे।

सेवाकेंद्रों के संदर्भ में फरमाते हुए गुरुदेव ने कहा कि छापर का संत सेवा केंद्र अब जैन विश्व भारती सेवा केंद्र में विलीन हो गया है। गुरुदेव ने उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि श्री कमलकुमार जी को लाडनूं सेवा केंद्र के लिए नियुक्त किया। योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत प्रेक्षाध्यान और तत्वज्ञान के प्रशिक्षण के उपक्रम भी चलेंगे। इस हेतु 'योगक्षेम वर्ष कैलेंडर' और 'मार्गदर्शिका' इन दो पुस्तिकाओं का विमोचन हुआ है। गुरुदेव ने पुस्तिका के संदर्भ में प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम में साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी ने सारगर्भित उद्बोधन प्रदान किया। दीक्षा समारोह के संदर्भ में मुमुक्षु चंदन ने दीक्षार्थी बहनों का परिचय प्रस्तुत किया। मुमुक्षु खुशी सुराणा ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। परमार्थिक शिक्षण संस्था से मोतीलाल जीरावाला ने आज्ञा पत्र का वाचन किया।

बजट 2026

संसद भवन में कर बजट 2026 की गरिमामय प्रस्तुति,
आ. सीतारमण जी ने बताई आगामी विकास की युक्ति,
विकसित हो भारत सक्षम हो भारत पर दिया गया जोर,
पर 2026 का बजट जनता की नजरों में रहा कमजोर ।

सभी राज्यों की अपेक्षाएं और उम्मीदें थी थोड़ी ज्यादा,
किंतु बजट आया विकास को वेग देता हुआ कुछ सादा,
वित्त मंत्री की बजट घोषणा से विपक्ष भी हुआ मायूस,
सरकार ने एक-एक कर खून पसीना सब लिया है चूस ।

बजट ने समग्र भारत के विकास की ओर दौड़ाई नजरें,
आई कुछ मन को भी संतोष देने वाली आनंद खबरें,
सैन्य शक्ति को किया गया और भी अधिक बलशाली,
देश होगा और भी अधिक आत्मनिर्भर बढ़ेंगी खुशहाली ।

सस्ते हुए खेल कूद के सामान, कपड़े, लेदर आइटम्स,
विमान के कंपोनेंट्स, सोलर एनर्जी से जुड़े प्रोडक्ट्स,
बनेंगे सात हाई स्पीड रेल कारिडोर सेवाएं होंगी सुलभ,
पर्यटन व परिवहन से आर्थिक विकास होगा सौरभ ।

ये बजट बनेगा भविष्य की समृद्धि का उपयोगी माध्यम,
सबका साथ समग्र विकास पुरानी योजनाएं रहेगी कायम,
दृढ़ संकल्प से सर्वत्र होगी देश में खुशियों की हरियाली,
होगा भारत विश्व पटल पर और भी अधिक शक्तिशाली ।

मोनिका डागा आनंद

दी बार एसोसिएशन वक्फ, जयपुर द्वारा बारां जिला संयोजक नियुक्त किए जाने पर अधिवक्ता असलम भारती का शहर वक्फ कमेटी कार्यालय में स्वागत

♦भारत टाइम्स♦
बारां

दी बार एसोसिएशन वक्फ, जयपुर द्वारा बारां जिले के जिला संयोजक नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद असलम भारती के सम्मान में शहर वक्फ कमेटी कार्यालय पर स्वागत-इस्तकबाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान असलम भारती का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया, शॉल पहनाया गया तथा मुँह मीठा कराकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, अवैध कब्जों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और मामलों की प्रभावी पैरवी को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

इस मौके पर जाकिर मंसूरी अशरफ देशवाली,लियाकत अली मेव,शाहिद कुंडी, इरफान अंसारी, नासिर मिर्जा, शाहिद इकबाल भाटी,हक्का भाई,अब्दुल अजीज,रशीद भाई, रशीद लोढ़ी, नियाज मोहम्मद, साबिर खान, अखलाक पार्षद, पिंकू खान ,इन्साफ मंसूरी, इरफान अशरफी,रईस फेजी, बबलू भाई, राजा फर्नीचर ,मारूफ लाला, आजाद राइन, कलाम स्टोन, हसन खान, मुन्ना अब्बा सहित बड़ी संख्या में वक्फ कमेटी व समाज के लोग मौजूद रहे

जिले के विभिन्न ग्रामों में रोजगार दिवस और आवास दिवस का हुआ आयोजन

♦भारत टाइम्स♦
बालोद

शासन के दिशा-निदेशों के अनुरूप बालोद जिले के विभिन्न ग्रामों में 07 फरवरी 2026 को 'रोजगार दिवस' और 'आवास दिवस' का आयोजन किया गया। इसमें विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव का माहौल रहा, जहां शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, उप सरपंच एवं पंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आवास हितग्राहियों और मनरेगा श्रमिकों और भारी संख्या में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान न केवल योजनाओं की समीक्षा की गई, बल्कि आगामी लक्ष्यों के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित भी किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (ढटअ -ॠ) और श्ङ्ग्रफ्फअट-ॠ के प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान विभागीय कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण की तकनीकी बारीकियां, किस्तों का भुगतान और गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित करना, श्ङ्ग्रफ्फअट-ॠ के तहत योजना के नवीन प्रावधानों और ग्रामीण विकास में इसकी भूमिका जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को स्थायी रोजगार सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

इस योजना के तहत आगामी वित्तीय वर्ष 2026 से प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों की रोजगार गारंटी। योजना के प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण मजदूरों को न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना जिससे बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक अस्थिरता को कम करना है। इसके साथ ही साथ मनरेगा श्रमिकों को मनरेगा के तहत रोजगार के अवसर, समय पर भुगतान और श्रमिकों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। मनरेगा अंतर्गत संपादित कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण के तहत कार्यों का भौतिक सत्यापन योजना की पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने की जानकारी दी गई। डिजिटल पारदर्शिता के तहत ग्रामीणों ने अपने मोबाइल के माध?यम से दफ्र उङ्की स्कैन के माध्यम से मनरेगा के कार्यों की प्रगरित की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। प्रचार-प्रसार हेतु ग्राम पंचायतों में श्ङ्ग्रफ्फअट-ॠ का पां?लेट वितरण एवं दीवार लेखन के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी गई ताकि अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंच सके। शासन की मंशा के अनुरूप रोजगार और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुलभ बनाना ही प्राथमिकता है।

दुर्लभ दर्शनः महाकाल मंदिर समिति की एक अच्छी पहल

उज्जैन : उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए एक अच्छी खबर है। महाकाल मंदिर समिति ने दुर्लभ दर्शन की शुरूआत की है, जिससे वे श्रद्धालु जो भस्मारती में शामिल नहीं हो पाते हैं, वे भी इस पवित्र अनुभव का लाभ ले सकते हैं। दुर्लभ दर्शन के माध्यम से श्रद्धालु महाकाल मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सकते हैं और उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

इस पहल से महाकाल मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया है और उन्हें भगवान शिव के दर्शन का अवसर प्रदान किया है। यह पहल उन श्रद्धालुओं के लिए बहुत ही लाभदायक है जो भस्मारती में शामिल नहीं हो पाते हैं, लेकिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करना चाहते हैं। दुर्लभ दर्शन के माध्यम से वे अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं और भगवान शिव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

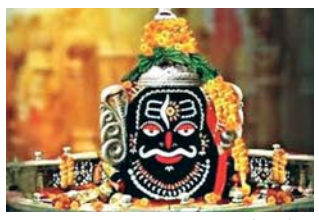

महिला पतंजलि योग समिति द्वारा भव्य योग शिविर का आयोजन 10 फरवरी को

♦भारत टाइम्स♦
फिरदौस खान आगर

महिला पतंजलि योग समिति द्वारा स्वामी रामदेव की शिष्या साध्वी देवदीति द्वारा एक दिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर 10 फरवरी को लगाया जा रहा है, शिविर सरस्वती शिशु मंदिर में सुबह 10 फरवरी को लगाया जा रहा है शिविर सरस्वती शिशु मंदिर में सुबह 6 से 8 बजे तक लगाया जाएगा, आगर जिला प्रभारी अन्नपूर्णा जी और उनकी टीम द्वारा घर घर जाकर योग का प्रचार प्रसार किया जा रहा है, सभी उच्च अधिकारियों को निमंत्रण दिया जा रहा है, ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिविर में उपस्थित हो इसके लिए प्रयास किया जा रहा है ।

शैक्षणिक विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध : ओटाराम देवासी

टीन शेड विस्तार हेतु 7 लाख की अतिरिक्त घोषणा, विद्यालय परिवार में उत्साह

♦भारत टाइम्स♦
सिरोही

पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिरोही में वार्षिकोत्सव, एलुमनी सम्मेलन, शैक्षिक, सह-शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह उत्साह, गरिमा और सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण रहा।समारोह के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री ओटाराम देवासी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ह्लबालिकाओं का शैक्षणिक उन्नयन ही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है। इसी उद्देश्य से केंद्र व राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर और ठोस प्रयास कर रही है।ह्वउन्होंने बताया कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय को केंद्र सरकार द्वारा दो करोड़ रुपये शैक्षिक एवं भौतिक संसाधनों के विकास हेतु प्रदान किए गए हैं।राज्य मंत्री ने विद्यालय में टीन शेड निर्माण हेतु पूर्व में घोषित 5 लाख रुपये के वर्क ऑर्डर जारी होने की जानकारी देते हुए, विद्यालय प्रशासन की मांग पर टीन शेड विस्तार के लिए अतिरिक्त 7 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस घोषणा का एसएमसी, एसडीएमसी व विद्यालय परिवार ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।समारोह की अध्यक्षता प्रधान हसमुख कुमार ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह राठौड़, समाजसेवी जय विक्रम हरण, मगन लाल मीणा, हेमलता पुरोहित, रूप कुंवर (कनिष्ठ अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग), डॉ अपूर्वा राज एवं डॉ अभिनव राज उपस्थित रहे।प्रधानाचार्य श्रीमती हीरा खत्री एवं कार्यक्रम संयोजक गोपाल सिंह राव के अनुसार अतिथियों का स्वागत सनातन संस्कृति के अनुरूप ढोल-नगाड़े, थाली व सामैया से किया गया। मां सरस्वती के पूजन-वंदन पश्चात अतिथियों का स्वागत माला, शाल, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।समारोह के दौरान शैक्षणिक, सह-शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ अपूर्वा राज (मनोरोग एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ) ने बालिकाओं को ओवर थिंकिंग, तनाव, डिप्रेशन से निपटने के उपाय बताते हुए स्ट्रेचिंग एवं सकारात्मक जीवन शैली पर प्रेरक एवं जीवनोपयोगी मार्गदर्शन दिया। रूप कुंवर ने बालिकाओं को मोबाइल का सावधानीपूर्वक उपयोग करने व लक्ष्य बनाकर सफलता प्राप्त करने तक कठोर परिश्रम की नसीहत दी।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशभक्ति व राजस्थानी गीतों ने समां बांध दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।समारोह में एसडीएमसी सदस्य व सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी गणपत सिंह देवड़ा, हंसाराम रावल, अनिल प्रजापत, भीक सिंह भाटी सहित सहयोगकताओं का सतत सहयोग हेतु बहुमान किया गया।कार्यक्रम संयोजक गोपाल सिंह राव ने बताया कि भामाशाहों के सहयोग से राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिस पर 7 लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय हुई। साथ ही विद्यालय की ऐतिहासिक स्मारिका का निर्माण किया गया एवं विद्यालय को दुल्हन की तरह सजाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन कुमारी, वर्षा त्रिवेदी, देवी लाल, वरिष्ठ व्याख्याता महेंद्र कुमार प्रजापत, भगवत सिंह देवड़ा, लता किरण बंसल, पारस राजपुरोहित, जया दवे, शर्मिला डाबी, श्रद्धा सिंदल, कुसुम परमार, ममता कोठारी, रमेश कुमार मेघवाल, चन्द्रकान्ता चौहान, सोनल राठौड़, ब्रिजेश कुमार पालीवाल, गणपत राज खत्री, सुजाना राम, शिवानी राठौड़, कीर्ति सोलंकी, कामिनी रावल, संतोष कुंवर, अजय पाल सिंह, गीता देवी, रति भाई सहित सम्पूर्ण विद्यालय परिवार, अभिभावक, एलुमनी एवं बालिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्रीमती वर्षा त्रिवेदी एवं गोपाल सिंह राव द्वारा किया गया।

गुजरात एनसीसी का एट होम कार्यक्रम गांधीनगर में आयोजित

एनसीसी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एकता और अनुशासन के साथ आदर्श जीवन शैली सिखाने वाली पाठशाला है : मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड और कैंप में राज्य का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व करने वाले एनसीसी कैडेटों को सम्मानित किया
- एनसीसी देश के युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ सशक्त बनाती है
- आपदा के समय सहायता, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और रक्तदान जैसे क्षेत्रों में एनसीसी कैडेटों की भूमिका प्रशंसनीय
- एनसीसी प्रधानमंत्री के ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न के मंत्र को चरितार्थ करती है
- मुख्यमंत्री ने 9 कैडेटों को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस दिए, ह्यकैडेट जर्नल-2026 का विमोचन किया और श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एनसीसी राजकोट को इंटर ग्रुप चैम्पियनशिप बैनर प्रदान किया.

♦भारत टाइम्स♦
गांधीनगर

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को गांधीनगर स्थित लोकभवन में आयोजित एट होम कार्यक्रम में नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेकर गुजरात का नाम रोशन करने वाले एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) के कैडेटों का सम्मान किया। नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 में राज्य का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व करने के बाद गुजरात एनसीसी गणतंत्र दिवस टुकड़ी 20 जनवरी को अहमदाबाद लौटी है। इस टुकड़ी ने शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में हिस्सालिया और अनुशासन, प्रशिक्षण और प्रदर्शन के उच्चतम स्तर को बनाए रखा, जिससे गुजरात को गौरव और सम्मान मिला। श्री भूपेंद्र पटेल ने एनसीसी कैडेटों को प्रेरणा देते हुए कहा कि एनसीसी केवल एक संस्था नहीं है, बल्कि एकता और अनुशासन के साथ आदर्श जीवन शैली सिखाने वाली पाठशाला है। अनुशासन के बिना व्यक्ति आगे नहीं बढ़ सकता और अनुशासन के बिना राष्ट्र भी प्रगति नहीं कर सकता। समारोह में मुख्यमंत्री ने 9 कैडेटों को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस प्रदान किए और कैडेट जर्नल-2026 का विमोचन किया। इसके अलावा, हर वर्ष आयोजित होने वाली एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए इस वर्ष गुजरात का इंटर ग्रुप चैम्पियनशिप बैनर एनसीसी राजकोट को दिया गया।

मुख्यमंत्री ने मेडल और सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले सभी कैडेटों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी बचपन से ही एकता और अनुशासन का पाठ सीखा है, इसमें एनसीसी का योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि एनसीसी एक ऐसा संगठन है जो देश के युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ सशक्त बनाता है। प्रधानमंत्री भी ऐसे ही सेवा और समर्पण भाव से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एनसीसी कैडेटों ने न केवल परेड ग्राउंड में, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी निभाई है। आपदा के समय सहायता, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और रक्तदान जैसे क्षेत्रों में एनसीसी की भूमिका प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स अपने व्यवहार, यूनिफॉर्म, समयपालन और कर्तव्य के प्रति निष्ठा के माध्यम से समाज को अनुशासन का उत्तम परिचय देते हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एनसीसी प्रधानमंत्री के ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न के मंत्र को चरितार्थ करती है। जब देश भर से आए युवा एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, ड्रिल करते हैं और राष्ट्रीय ध्वज के नीचे खड़े रहते हैं, तब यह भाव और मजबूत होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के एनसीसी कैडेटों ने गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर निकली परेड, गार्ड ऑफ ऑनर, प्रधानमंत्री रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राज्य का नाम ऊंचा किया है। इन उपलब्धियों के मूल में केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि अविरत अनुशासन, टीम वर्क और एकता शामिल है।

एनसीसी गुजरात निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल बिमल मोंगा ने राज्य में एनसीसी की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने एनसीसी की गतिविधियों के दायरे के विस्तार के लिए राज्य सरकार के सहयोग की प्रशंसा कर आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जामनगर, विद्यानगर और अहमदाबाद एनसीसी मुख्यालय के ब्रिगेडियर और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 13 कार्यों के लिए 299 करोड़ की निविदा को मंजूरी, 10 सड़कों के लिए 116 करोड़ स्वीकृत

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने जारी किए आदेश

सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंता कार्यालयों के साथ ही प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा की जाएगी कार्यों की सीधी मॉनिटरिंग

♦भारत टाइम्स♦
रायपुर

राज्य में सड़कों और पुलों के निर्माण में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग द्वारा 13 कार्यों के लिए 299 करोड़ रुपए के निविदा को मंजूरी दी गई है। वहीं 10 सड़कों के निर्माण के लिए 116 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने निविदा मंजूरी तथा प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश भी जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करने के कड़े निर्देश दिए हैं। सड़कों के नेटवर्क को मजबूत करने तथा छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार निर्माण कार्यों एवं निविदाओं को स्वीकृति दी जा रही हैं। कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने अंबिकापुर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालयों के साथ ही प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सीधे मॉनिटरिंग की

जाएगी। कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के लिए आम नागरिक भी निर्माण के दौरान कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

लोक निर्माण विभाग द्वारा रायपुर जिले में साढ़े 5 किमी लंबाई के फरफौदा-गुखेरा मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूीकरण के लिए पुल-पुलिया निर्माण सहित 11 करोड़ चार लाख रुपए तथा साढ़े 5 किमी लंबाई के चंदखुरी-जावा-मोंहदी मार्ग में पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ 34 लाख रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में हथबंद से सिमगा मार्ग में मुंबई-हावड़ा रेलवे लाइन पर रिंगनी लेवल क्रासिंग पर रेलवे ओव्हर ब्रिज के निर्माण के लिए 40 करोड़ 72 लाख रुपए तथा 2.84 किमी लंबाई के ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक तक टू-लेन सी.सी. मार्ग के निर्माण के लिए 25 करोड़ 98 लाख रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है। विभाग द्वारा नारायणपुर जिले के पल्ली-छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग में किमी 13 से किमी 22 तक 10 किमी लंबाई में तथा किमी 23 से किमी 31 तक 9 किमी लंबाई में सीमेंट-कांक्रीट सड़क व पुलिया मजबूतीकरण के लिए क्रमशः 28 करोड़ 2 लाख रुपए तथा 26 करोड़ रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है। नवा रायपुर के सेक्टर-18 में निमार्णाधीन लोकभवन (राजभवन), लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों के निवास, मुख्यमंत्री निवास, मंत्रीगणों के निवास एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के निवास के शेष कार्यों, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, एकॉस्टिक, पेनेलिंग वर्क एवं विद्युतीकरण कार्यों के लिए 71 करोड़ 23 लाख रुपए तथा सेक्टर-19 में माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय भवन के निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण के लिए 36 करोड़ 30 लाख रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है। विभाग ने मनेन्द्रगढ़-

चिरमिरी-भरतपुर जिले में बेला उदगी से बनसुकली मार्ग पर बनास नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 10 करोड़ 18 लाख रुपए, जशपुर में जशपुर-सन्ना मार्ग पर घेरड़ेवा नाला पर उच्च स्तरीय पुल व पहुंच मार्ग के लिए 7 करोड़ 27 लाख रुपए, बलरामपुर-रामानुजगंज के नरसिंहपुर से मरकाडांड मार्ग पर महान नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 9 करोड़ 88 लाख रुपए, धमतरी जिले में राजनांदगांव-गुण्डरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई (रा.मा.क्र.-23) के किमी 88/2 से किमी 107/2 तक 20 किमी लंबाई के मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण के लिए 11 करोड़ 82 लाख रुपए तथा महासमुंद में ग्राम सिरबोड़ा से पलसापाली के मध्य पलसापी नाला (सुरंगी नाला) पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 96 लाख रुपए के निविदा को मंजूरी प्रदान की है।

7 जिलों की 10 सड़कों के लिए 116 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति

लोक निर्माण विभाग ने वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल धमतरी जिले के दुधावा-मुरूमसिल्ली-बनरौद मार्ग के किमी 30/6 से किमी 44/2 तक 13.80 किमी लंबाई के मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण के लिए 21 करोड़ 79 लाख रुपए, नगरी-दुधावा-नगरी-बासीन (राज्य मार्ग क्रं.-6) के किमी 47 से किमी 55 तक 8 किमी लंबाई के उन्नयन एवं मजबूतीकरण के लिए 19 करोड़ 40 लाख रुपए तथा लोक निर्माण विभाग के कुरूद उपसंभाग में 5 किमी लंबाई के पचपेड़ी-तरागोंदी-भेलवाकुदा-टिपानी-सेमरा (बी) टू-लेन मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूीकरण के लिए 15 करोड़ 34 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले के गैंदाटोला-छुरिया-खोभा मार्ग के किमी 17 से किमी 21 तक 5.025 किमी लंबाई के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 6 करोड़ 96 लाख रुपए, कोण्डागांव जिले में कोण्डागांव-अमरावती-एरला राज्य मार्ग के किमी 32 से किमी 41/2-4 तक 8.7 किमी में मजबूतीकरण व पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण के लिए 7 करोड़ 15 लाख रुपए तथा कांकेर के राजनांदगांव-बैलाडीला मार्ग के किमी 145/10 (मेढ़की) निब्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 12 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग ने बिलासपुर जिले में 8.675 किमी लंबाई के केनसरी से मुकुंदपुर पहुंच मार्ग के लिए 19 करोड़ 5 लाख रुपए, जशपुर में भेलवा से खाडुंग नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 4 करोड़ 80 लाख रुपए, कांकेर के इच्छापुर-घोटिया मार्ग पर दूध नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 53 लाख रुपए तथा बलरामपुर-रामानुजगंज में साढ़े 3 किमी लंबाई के राजपुर-कुसमी मुख्य मार्ग से खरकोना होते हुए अमेरा मार्ग के लिए 9 करोड़ 30 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

संक्षिप्त खबरें

मुक्ताकाशी मंच बड़ालालपुर में कथक की मनमोहक सांस्कृतिक संध्या आयोजित

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव/वाराणसी।

बड़ालालपुर।कार्यालय विकास आयुक्त ,वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार और सुबह-ए-बनारस आनंद कानन द्वारा आयोजित मुक्ताकाशी मंच बड़ालालपुर में 8 फरवरी को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ । कार्यक्रम में कथक नृत्य की प्रस्तुति हुई । कलाकार थी मुंबई से आई दिशा श्रीकांत देसाई । आपने शिव स्तुति से कार्यक्रम का आरंभ किया । तत्पश्चात एक ठुमरी की प्रस्तुति की । बोल थे , कान्ह कहां खेली ऐसी होरी गुईयां और अंत में बनारस घराने की पारंपरिक तराना की प्रस्तुति की ।कार्यक्रम का शुभारंभ अजय श्रीवास्तव अध्यक्ष संग्रहालय दीन दयाल हस्त कला संकुल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। स्वागत किया गया सहायक निदेशक, कार्यालय विकास आयुक्त, हस्तशिल्प दीन दयाल हस्त कला संकुल वाराणसी प्रद्युम्न पांडेय , द्वारा । कार्यक्रम का संयोजन किया गया डॉ रत्नेश वर्मा,सचिव ,सुबह ए बनारस आनंद कानन द्वारा एवं जगदीश्वरी चौबे द्वारा संचालन किया गया ।

हरे कृष्ण महामंत्र का संकिर्तन किया

♦भारत टाइम्स♦
अजय चौबे /वाराणसी

चौबेपुर के धौरहरा गांव स्थित राम-जानकी मंदिर पर अक्षय पात्र वाराणसी के अध्यक्ष और वृंदावन चंद्रोदय मंदिर उपाध्यक्ष युधिष्ठिर कृष्ण दास प्रभु जी द्वारा रामजानकी है मंदिर पर हरे कृष्ण महामंत्र का संकीर्तन किया गया जिस गांव के सभी लोगो ने भाग लिया। कार्यक्रम मे गांव के ही संजय चौबे गुड्डू, अंजनी सिंह,जागीर सिंह,वरूण सिंह, प्रवीण सिंह(सुड्डू) ,विवेक सिंह(मोनू) ने सहयोग किया और सफल बनाया।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर जुंजाणी गांव में रैली धर्म सभा का आयोजन

♦भारत टाइम्स♦
भीनमाल कृष्णकुमार राजपुरोहित

भीनमाल क्षेत्र के जुंजाणी गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में भव्य रैली एवं धर्म सभा का आयोजन किया गया घेवाराम बोस जुंजाणी ने बताया इस

कार्यक्रम का आयोजन जुंजाणी गांव के राजकीय विद्यालय परिसर में किया गया जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ! आयोजन के दौरान निकाली गई रैली में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भाग लिया धर्म सभा में वक्ताओं ने सामाजिक एकता, संस्कार और राष्ट्र सेवा के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए तथा सभी से समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया ! कार्यक्रम स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था रखी गई, जिसमें उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर रिटायर नायब तहसीलदार मानाराम पुरोहित, पुखराज दवे, मोडसिंह देवड़ा, विजयसिंह देवड़ा, हकमाराम पुरोहित, कावतरा सरपंच गजेंद्रसिंह, कपूरचंद सोनी, मोहन चौधरी, घेवाराम लोहार, गणेशाराम देवासी, रमेश सुथार, नरसाराम चौधरी, हरचंद राणा, मुकेश दर्जी, हरजी बोबकिया, हरीश परिहार, लाखाराम, परबतसिंह देवड़ा, विजय, वाघसिंह देवड़ा, रमेश राणा, ललित सोनी, पिथाराम चौधरी, हिमताराम सेन, हरजी चौधरी पादरा, भमराम दर्जी, पीराराम चौधरी, हरसन मेघवाल, महादेवाराम, मंगलाराम पुरोहित सहित गांव वासी मौजूद रहे भोजन प्रसादी के बाद में संपूर्ण कार्यक्रम का समापन किया गया!

बजट क्विज 2026 में सहभागिता हेतु सांसद श्री सोलंकी का युवाओं से आह्वान

♦भारत टाइम्स♦
फिरदौस खान आगर

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशानुरूप तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत (My Bharat) प्लेटफॉर्म द्वारा युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत बजट क्वेस्ट 2026 नामक राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह ऑनलाइन कार्यक्रम 03 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। इस पहल का शुभारंभ केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा 02 फरवरी 2026 को किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संघीय बजट 2026-27 से जोड़ना, राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श में उनकी सहभागिता बढ़ाना, बजट प्रावधानों को अधिक सुलभ एवं नागरिक-केंद्रित बनाना तथा विकास की प्राथमिकताओं में युवाओं की आवाज को स्थान देना है।

इसी क्रम में देवासझशाजापुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेन्द्रसिंह सोलंकी ने देश के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं से इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है।

मेरा युवा भारत, जिला आगर मालवा

के जिला युवा अधिकारी श्री सागर वाधवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम बहु-चरणीय है, जिसके माध्यम से युवाओं को केंद्रीय बजट से जोड़ने की राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत प्रधानमंत्री से संवाद का अवसर भी प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के चरण इस प्रकार हैं

प्रथम चरण : राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन क्विज

यह चरण 03 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। इसमें My Bharat पोर्टल (https://mybharat.gov.in) पर पंजीकृत युवा भाग ले सकते हैं। क्विज केंद्रीय बजट 2026-27 की मूलभूत समझ पर आधारित होगा।

द्वितीय चरण : निबंध लेखन प्रतियोगिता

प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश से उच्च प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। यह चरण 17 फरवरी से 03 मार्च 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें विकसित भारत @2047 के विजन से जुड़े 08 विषयों पर विचार व्यक्त किए जाएंगे।

अंतिम चरण : प्रधानमंत्री से वर्चुअल संवाद : राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश स्तर के विजेताओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से वर्चुअल संवाद का अवसर मिलेगा, जहां वे बजट से संबंधित अपने सुझाव एवं विचार सीधे साझा कर सकेंगे।

यह पहल विकसित भारत के विजन को सशक्त बनाती है, जहां युवा बजट निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनते हैं। पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों जैसे Viksit Bharat Young Leaders Dialogue में युवाओं के सुझावों को बजट में शामिल किया गया है, और इसी भावना को आगे बढ़ाया जा रहा है।

भागीदारी की प्रक्रिया

MY Bharat पोर्टल पर रजिस्टर/लॉगिन करें: https://mybharat.gov.in

क्विज सेक्शन में जाकर भाग लें।

अधिक जानकारी हेतु https://mybharat.gov.in/pages/budget_quest_2026 देखे।

मेरा युवा भारत जिले के सभी युवाओं से अपील करता है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं, अपनी राय व्यक्त करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

मां गंगा के तट पर कथक-भरतनाट्यम की अनुपम प्रस्तुति

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव/वाराणसी।

मां गंगा के पावन तट पर उत्तर भारत का कथक नृत्य एवं दक्षिण भारत का भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति का अवलोकन कर दर्शक गण अभिभूत हुए।

जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर 8 फरवरी को सुबह-ए-बनारस के अंतर्गत घाट संध्या कार्यक्रम में मुंबई से पधारी युवा कलाकार ने उत्तर भारत का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य कत्थक का शुभारंभ शिव वंदना तत्पश्चात सुधा कत्थक एवं समापन ठुमरी से किया ।द्वितीय चरण में वाराणसी की युवा कलाकार कृतिका सिंह ने दक्षिण भारत के तमिल राज्य की प्रसिद्ध नृत्य विधा का शुभारंभ पुष्पांजलि तत्पश्चात अलारिपु भाग्य लक्ष्मी बरम्मा मुरूगन कौतुवम एवं समापन काल भैरव अष्टकम से किया ।द्वय कलाकारों ने पद लय ताल अंग संचालन एवं घुंघरूओं के झंकार के माध्यम से मुक्ता काशीय घाट संध्या के मंच को झंकृत कर दर्शकों के हृदय को अभिभूत किया ।कलाकारों को प्रमाण पत्र सीमा केशरी ने प्रदान किया ।कार्यक्रम का संयोजन सुबह-ए-बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केशरी ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे।

सिकल सेल एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सिकल सेल शिविर का हुआ आयोजन

♦भारत टाइम्स♦
बड़वानी

सिकल सेल एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सिकल सुरक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य ध्येय पेंशन, उपचार और सहारा–हर मरीज का अधिकार है, जो दिनांक 30 जनवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक चलाया जाएगा। सिविल अस्पताल सेंधवा के प्रांगण में आयोजित विशेष शिविर में कुल 139 मरीज उपस्थित हुए, जिनमें 61 महिलाएं और 78 पुरुष शामिल थे। 32 नए व्यक्तियों की POCT जांच की गई, जिनमें से 26 मरीज रिएक्टिव पाए गए। इन मरीजों के रक्त नमूने 'इलेक्ट्रोफोरेसिस' (प्रमाणिक जांच) हेतु जिला स्तर पर भेजे गए। शिविर में उपस्थित मेडिकल बोर्ड द्वारा 116 मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, 154 मरीजों की UDID आईडी, 133 मरीजों के आभा आईडी कार्ड बनाए गए। साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों के 20 नए आयुष्मान कार्ड भी तैयार किए गए। उपचार और टीकाकरण के अंतर्गत 116 मरीजों को हाइड्रोक्सीयूरिया एवं फोलिक एसिड की दवाइयों से उपचारित किया गया।

दालमंडी में जश्ने बकीयतुल्लाह का हुआ आयोजन, शायरों ने पेश किये कलाम

♦भारत टाइम्स♦
वाराणसी।

शिया समुदाय के आखिरी इमाम मेंहदी अलैहिस्सलाम की याद में शनिवार रात्रि को दालमंडी स्थित मरहूम हकिम मोहम्मद काजिम के आवास पर महफिल का आयोजन किया गया। हैदरी यूथ फेडरेशन के बैनर तले आयोजित जश्न ए बकीयतुल्लाह में शहरे बनारस के अलावा प्रदेश भर के कई शायरों ने कलाम पेश किया। महफिल का आगाज तिलावत ए कलाम पाक से हुआ। उसके बाद अलग अलग शहरों से आये तमाम शायरों ने अपने कलाम पेश किये। महफिल की निजामत करते हुए जनाब गुलजार मौलाई ने भी एक से बढ़ कर एक कई कलाम सुनाए। महफिल मे मौलाना सय्यद तहजीबुल हसन इमामे जुमा रांची ने तकरीर करते हुए कहा कि इंसान इमाम के

बताए गए रास्तों पर चले तो उसकी जिंदगी कामयाब है। हर शिया आखिरी इमाम से मिलना चाहता है जबकि वो गैबत में है लेकिन मारफत के साथ इमाम को पुकारा जाए तो वो जरूर आएंगे और आपकी मुसीबत को आसान कर देंगे। महफिल मे मुख्यरूप से सय्यद साकिब अब्बास, सय्यद सादिक अब्बास, मोहम्मद, हसनैन, सागर, फराज सहित कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम के बानी जनाब साकिब अब्बास अज्जू ने लोगों का शुक्रिया अदा किया।

मंडल रेल प्रबंधक ने रात्रि में कछवा रेलवे स्टेशन एवं समपार संख्या 20 स्पेशल का औचक निरीक्षण किया

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव/वाराणसी।

मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन ने सात व आठ फरवरी को रात्रि में कछवा रेलवे स्टेशन एवं प्रयागराज रामबाग रेलखण्ड पर कछवा रोड - निगतपुर के मध्य समपार संख्या 20 स्पेशल का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं,सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, प्लेटफार्मों की स्थिति एवं अन्य यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया ।इसके उपरान्त मंडल रेल प्रबंधक ने टिकट काउंटर, शौचालय, संकेत एवं दूरसंचार व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने केन्द्रीकृत स्टेशन पैनल ,एक्सल काउन्टर, रिले रूम, डाटा लॉगर सहित अन्य उपकरणों का संरक्षा निरीक्षण किया और स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली तथा आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए ।निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने रात्रि में यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन ने 07/08.2026 रात्रि में बनारस-प्रयागराज रामबाग रेल खण्ड पर कछवा रोड-निगतपुर मध्य समपार संख्या 20 स्पेशल का औचक निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने समपार पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरियर की स्थिति, सिग्नलिंग प्रणाली, सड़क उपयोगकताओं की सुविधा एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की गई और समपार पर तैनात गेटमैन से ड्यूटी संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समपार पर साफ-सफाई, चेतावनी संकेतक, प्रकाश व्यवस्था एवं आवागमन की सुचारु व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा ।निरीक्षण के दौरान ट्रेनों एवं सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया ।इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक एवं रात्रि में कार्यरत रेल कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रेम,श्रद्धा और सामाजिक समरसता की उच्चतम प्रतिमान माता शबरी

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

आज के दौर में जब वैश्विक परिदृश्य पर भारत अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने के लिए अग्रसर है, तब आंतरिक रूप से समाज को जातियों के संकीर्ण खानों में बांटकर खंडित करने की साजिशें चिंताजनक रूप से गहराती जा रही हैं। यह विडंबना ही है कि जिस सनातन संस्कृति ने 'वसुधैव कुटुंबकम' का उद्घोष किया, आज उसी के अनुयायी परस्पर वैमनस्य की अग्नि में झुलस रहे हैं। वर्तमान सामाजिक परिवेश में एक स्पष्ट दरार दिखाई देती है, जहाँ आरक्षित वर्ग के भीतर सवर्णों के प्रति एक प्रकार की चिढ़ और आक्रोश व्याप्त है, तो वहीं सवर्ण वर्ग का एक हिस्सा आरक्षित वर्ग को अपनी समस्त समस्याओं का मूल मानकर उन्हें कोसने में अपनी ऊर्जा व्यर्थ कर रहा है। वास्तविकता यह है कि यह वैचारिक प्रदूषण समूचे हिंदू समाज का स्वभाव नहीं है, बल्कि यह मुट्ठी भर उन अवसरवादी लोगों का षड्यंत्र है जो अपने स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिए सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने पर तुले हुए हैं। किंतु इस क्षुद्र राजनीति और संकीर्ण मानसिकता का खामियाजा पूरे सनातन समाज को भुगतना पड़ रहा है, जिससे इसकी सामूहिक शक्ति क्षीण हो रही है।

इस अंधकारमय समय में हमारे वेद,पुराण,शास्त्र और उपनिषद ही वह मशाल हैं जो हमें समाधान का मार्ग दिखा सकते हैं। यदि हम निष्पक्ष होकर अपने आध्यात्मिक इतिहास के पन्नों को पलटें, तो हमें ऐसे अनगिनत प्रसंग मिलेंगे जो आज की इन कृत्रिम दीवारों को ढहाने के लिए पर्याप्त हैं। ऐसा ही एक कालजयी और हृदयस्पर्शी प्रसंग माता शबरी का है, जो जातिवाद के चश्मे से ग्रस्त आज के समाज के लिए एक जीवंत संदेश है।

माता शबरी की कथा केवल एक भक्त और भगवान के मिलन की गाथा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता का वह उच्चतम प्रतिमान है जिसे स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने स्थापित किया था। यदि हम आज के प्रचलित और दूषित सामाजिक मानकों के आधार पर देखें, तो भगवान राम को क्षत्रिय होने के नाते सवर्ण वर्ग का प्रतिनिधि माना जा सकता है और माता शबरी को उनके भील मूल के कारण दलित, शोषित या आदिवासी वर्ग की

श्रेणी में रखा जा सकता है, लेकिन सनातन संस्कृति की मूल चेतना इस प्रकार के वर्गीकरण को सिरे से खारिज करती है।

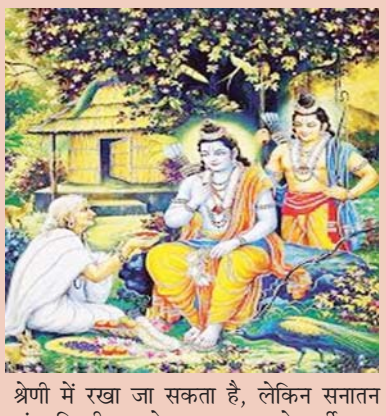

भारतीय मनीषियों के अनुसार,कोई भी व्यक्ति अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म और भाव से महान बनता है। प्रत्येक जीव अपने पूर्व संचित कर्मों के आधार पर ही प्रारब्ध को प्राप्त करता है, और भक्ति मार्ग पर चलते हुए वह समस्त लौकिक बंधनों से मुक्त हो जाता है। शबरी माता का जीवन इसी सत्य का साक्षात्कार कराता है। वे अपने गुरु मतंग ऋषि के प्रति अगाध श्रद्धा रखती थीं और उन्हीं के आदेशानुसार निर्जन वन में साधु-संतों की सेवा में अपना जीवन व्यतीत कर रही थीं। तत्कालीन समाज में भी कुछ संकीर्ण सोच वाले लोग थे जो उन्हें अछूत मानकर तिरस्कृत करते थे, लेकिन शबरी की महानता देखिए कि वे उन अपमानित करने वाले लोगों की भी छुपकर सेवा करती रहीं। वे नहीं चाहती थीं कि जिन लोगों की वे सेवा कर रही हैं, उन्हें यह जानकर ग्लानि या दुख हो कि उनकी सेवा एक तथाकथित निम्न वर्ग की महिला द्वारा की गई है। उनकी इस निस्वार्थ और अहंकार-शून्य सेवा ने ही उन्हें उस पद पर प्रतिष्ठित किया, जहाँ तक बड़े-बड़े तपस्वी भी नहीं पहुँच पाए।

मतंग ऋषि ने शबरी की इसी निश्छल भक्ति से अभिभूत होकर समूचे ऋषि समाज के समक्ष यह घोषणा की थी कि साक्षात ईश्वर राम के स्वरूप में चलकर उनके आश्रम तक आएंगे। यह प्रसंग उन लोगों के गाल पर करारा तमाचा है जो स्वयं को श्रेष्ठ मानकर दूसरों को नीचा दिखाते हैं। उस वर्ग के लिए भी सीख है, जो स्वयं को दीन हीन जानकार अपनी दुर्दशा के लिए अनारक्षित लोगों को दोषी ठहरा रहा है। जिस समय शबरी प्रतीक्षारत थीं,उसी समय के अनेक तथाकथित उच्च कुलीन और विद्वान ऋषि-मुनि भी वहां तपस्या कर रहे थे, जिन्हें इस बात का दंभ था कि भगवान सबसे पहले उनके पास आएंगे। वे पूजा-पाठ और कर्मकांडों में उलझे रहे, जबकि भगवान राम ने उन सभी पांडित्यपूर्ण आश्रमों को छोड़कर उस भीलनी की कुटिया को चुना जिसने अपना पूरा जीवन प्रेम और सेवा में समर्पित कर दिया था। रामायण और रामचरितमानस में यह प्रसंग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि शबरी ही वह एकमात्र भक्त शिरोमणि हैं, जिन्हें भगवान श्री राम ने स्वयं 'नवधा भक्ति' का उपदेश दिया। भगवान ने वहां जाति, कुल, धर्म या पद की महत्ता को पूरी तरह नकारते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि 'मानहुँ एक भगति कर नाता'। अर्थात, ईश्वर के लिए केवल भक्ति का ही नाता सर्वोपरि है। भगवान राम द्वारा शबरी के जूठे बेरों को चाव से खाना इस बात का प्रमाण है कि प्रेम और श्रद्धा के समक्ष छुआछूत और ऊंच-नीच जैसी कुरीतियां अर्थहीन हैं।

आज के सवर्ण और आरक्षित, दोनों ही वर्गों को इस प्रसंग से गंभीर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। हम किस आधार पर एक-दूसरे से श्रेष्ठ या हीन होने का दावा करते हैं? यदि हम स्वयं को सनातनी कहते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम सभी एक ही परमपिता परमात्मा की संतानें हैं। जब हमारे आराध्य देव ने स्वयं जाति-पाति का कोई भेद नहीं किया, तो फिर हम मनुष्यों को यह अधिकार किसने दिया कि हम समाज को इन कृत्रिम सीमाओं में बांधें? क्या हम जातिवाद को बढ़ावा देकर अनजाने में यह सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं कि हमारी सोच हमारे भगवान से भी बड़ी है? यदि राम ने शबरी को मां कहकर संबोधित किया, तो क्या हम अपने ही भाइयों को गले नहीं लगा सकते? आज हिंदुत्व को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए 'एकात्म मानववाद' के उसी मूल मंत्र की आवश्यकता है, जो मनुष्य और मनुष्य के बीच किसी भी प्रकार के भेदभाव को स्वीकार नहीं करता। हमें समझना होगा कि जात-पात की ये दीवारें हमारी शक्ति नहीं, बल्कि हमारी कमजोरी हैं, जिनका लाभ बाहरी शक्तियां हमेशा से उठाती आई हैं।

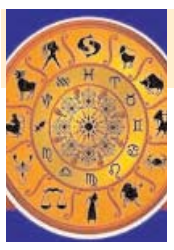

आज का राशिफल

9 फरवरी,सोमवार के दिन ग्रहों की चाल को देखते हुए कुछ राशियों के जीवन में खुशियों का आगमन होगा

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभ और लाभप्रद साबित होना चाहिए। इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों के समय पर मनचाहे तरीके से पूरा होने पर आपका मन प्रसन्न रहेगा और आपके उत्साह में वृद्धि होगी। इस सप्ताह आप अपने कार्य को अत्यधिक आत्मविश्वास और उत्साह के साथ करेंगे। खास बात ये कि आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों से भरपूर सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के मध्य का समय आपके लिए अति उत्तम रहने वाला है।

वृषभ : वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता लिए है, लेकिन आपको किसी भी कार्य को करते समय जल्दबाजी, कारोबार में जोखिम और नियमों का उल्लंघन करने से बचना होगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको भले ही आर्थिक दृष्टि से थोड़ी दिक्कतें आएं और मनचाहा धन लाभ न हो, लेकिन उत्तरार्ध तक स्थितियां आपके लिए पूरी तरह से अनुकूल हो जाएंगी।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह मिथुन राशि के जातकों को सावधानी हटी, दुर्घटना घटी का स्लोगन हमेशा याद रखना होगा क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही आपके न सिर्फ बनते हुए काम को बिगाड़ सकती है, बल्कि आपके लिए शारीरिक एवं मानसिक कष्ट का कारण भी बन सकती है।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। इस सप्ताह करियर कारोबार और जीवन से जुड़ी कुछेक समस्याओं को सुलझाने में मित्रों और आपके शुभचिंतक काफी मददगार साबित होंगे।

सिंह : सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह काफी शुभ और लाभप्रद रहने वाला है। यदि आप विदेश में उच्च शिक्षा या करियर को जमाने के लिए बीते कुछ समय से प्रयासरत हैं तो इसमें आ रही अड़चन दूर होंगी। कुल मिलाकर करियर हो या फिर कारोबार आपको इस सप्ताह भाग्य का अपेक्षित सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह औसत फलदायी कहा जाएगा। इस सप्ताह कन्या राशि के जातकों अपनी सेहत और संबंधों को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही या फिर कहें किसी चीज की अनदेखी बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

तुला : तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने समय, अपनी ऊर्जा और धन का सदुपयोग करने की आवश्यकता रहेगी। यह सप्ताह आपके लिए थोड़ा खचीर्ला कहा जाएगा। सप्ताह की शुरूआत में आप जहां सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर बड़ी धनराशि खर्च कर सकते हैं वहीं सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी बुजुर्ग व्यक्ति के इलाज में आपको बड़ी राशि खर्च कर करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए यह सप्ताह जीवन में नये अवसर लेकर आएगा। इस सप्ताह यदि आप अपने दिल और दिमाग दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए कार्य करते हैं तो आपको उम्मीद से कहीं ज्यादा लाभ और सफलता प्राप्त हो सकती है। सप्ताह की शुरूआत किसी बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार से होगी।

धनु : धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और लाभप्रद साबित होने वाला है। इस सप्ताह लंबे समय से चली आ रही किसी बड़ी समस्या का समाधान निकल आएगा। जिससे आप राहत की सांस लेंगे। सप्ताह की शुरूआत में नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण पद या जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर : मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और लाभप्रद रहने वाला है। इस सप्ताह आप पर किस्मत पूरी तरह से मेहरबान नजर आएगी। आपके सोचे हुए काम समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होंगे। सप्ताह के शुरूआत में आपके घर पर धार्मिक मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं या फिर आपको परिवार में किसी ऐसे आयोजन में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

कुंभ : कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले अत्यधिक शुभ और तमाम बड़ी परेशानियों को दूर करके राहत पहुंचाने वाला कहा जाएगा। सप्ताह की शुरूआत में आपको निजी जीवन से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

मीन : मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में जहां आपको सेहत और संबंधों से जुड़ी कुछेक समस्याओं से जूझना पड़ सकता है तो वहीं उत्तरार्ध में करियर और कारोबार आदि से जुड़ी समस्याओं का मनचाहे तरीके से समाधान हो जाने पर सुकून मिलेगा।

शतरंज की बिसात पर बढ़ता छत्तीसगढ़

हेमन्त खुटे

छत्तीसगढ़ में शतरंज अब महज समय बिताने या मनोरंजन का साधन नहीं रहा बल्कि यह राज्य की नई खेल पहचान बनता जा रहा है। बीते कुछ वर्षों में शतरंज के प्रति बच्चों, युवाओं और अभिभावकों की बढ़ती रुचि ने इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। प्रतियोगिताओं की बढ़ती संख्या, प्रशिक्षण शिविरों और अकादमियों की सक्रियता तथा खिलाड़ियों की निरंतर सफलताओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि शतरंज अब छत्तीसगढ़ में भविष्य का एक सशक्त खेल बन चुका है।

प्रदेश के लगभग अधिकांश जिलों में शतरंज प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन हो रहा है। स्कूल, जिला और राज्य स्तर की स्पधाओं से खिलाड़ियों को लगातार प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव मिल रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ तथा उससे संबद्ध जिला इकाइयों के प्रयासों से शतरंज को एक विशिष्ट पहचान और मजबूती मिली है।

वर्तमान में अंडर - 7, अंडर - 9 जैसी कम उम्र से ही खिलाड़ी शतरंज की बारीकियां सीखकर राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज स्पधाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। कई खिलाड़ी रेटिंग प्राप्त कर रहे हैं। राज्य में लगातार खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा हो रही है। स्कूलों में भी शतरंज खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभिभावकों का नजरिया भी बदला है और वे शतरंज को बच्चों के मानसिक विकास के साथ-साथ संभावित करियर विकल्प के रूप में देखने लगे हैं।

शतरंज में खिलाड़ियों , निर्णायकों की बढ़ती संख्या और प्रतियोगिताओं की निरंतरता भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। शतरंज खेल के प्रति बढ़ता रुझान यह भी इंगित करता हैं कि छत्तीसगढ़ तेजी से शतरंज के क्षेत्र में अपनी सशक्त और स्थायी पहचान स्थापित कर रहा है। आने वाले समय में निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के और भी खिलाड़ी उभरने की पूरी उम्मीद है। या यों कहें कि छत्तीसगढ़ में बढ़ता शतरंज का वर्चस्व इस बात का प्रमाण है कि राज्य तेजी से बौद्धिक खेल के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता की नई मिसालें गढ़ने वाले खिलाड़ी सामने आएंगे और अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में देश के नक्शे पर उभरा। राज्य गठन के साथ ही खेलों के संगठन और विकास की दिशा में भी नई संभावनाएँ खुलीं। इसी क्रम में प्रदेश में शतरंज खेल को सुदृढ़ आधार देने, संगठित करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी शतरंज के पुरोधा व भीष्म पितामह माने जाने वाले विनोद राठी ने संभाली।

राज्य गठन के शुरूआती दौर में डी. सी. लूनिया ने प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व संभाला। यह वही ऐतिहासिक समय था जब अविभाजित मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ ने शतरंज के क्षेत्र में भी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू की। संघ के गठन के साथ ही अखिल भारतीय शतरंज महासंघ से संबद्धता प्राप्त हुई, जिससे प्रदेश को राष्ट्रीय शतरंज मंच पर विधिवत मान्यता मिली।

यहीं से छत्तीसगढ़ में शतरंज की संगठित उड़ान शुरू हुई। प्रतियोगिताओं का आयोजन, खिलाड़ियों का पंजीयन, प्रशिक्षण शिविरों की पहल और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ियों की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम राज्य सीनियर शतरंज स्पर्धा दुर्ग जिला शतरंज संघ एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वावधान में 10 जून से 15 जून 2001 को आयोजित की गई । जिसमें 73 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। रविकुमार ने प्रतियोगिता के अंतिम चक्र में जीत दर्ज कर 7.5 अंकों के साथ छत्तीसगढ़ के पहले राज्य विजेता का खिताब जीतकर राज्य की राजधानी रायपुर को सौगात दी थी। इस प्रतियोगिता में योगेश गोरे,संतोष कौशिक,शेख इदु, गुलशन बग्गा, पी एल शास्त्री,आर पी सिंह ,राजेश अग्रवाल,अलंकार भिवगड़े,पी सी शर्मा एवं रणवीर भट्टी जैसे शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों ने सहभागिता की थी। राजनांदगांव के रणवीर भट्टी ने उन दिनों 15 साल की उम्र में प्रदेश की सीनियर टीम में जगह बनाने में कामयाबी हासिल की और राष्ट्रीय सीनियर स्पर्धा में हिस्सा लेने की पात्रता अर्जित की थी जोकि सर्वाधिक चर्चा का विषय रहा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं यूनियन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 5 से 12 नवंबर तक राजधानी रायपुर में 27वीं राष्ट्रीय सब जूनियर ओपन एवं 18वीं राष्ट्रीय सब जूनियर गर्ल्स चेस चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक रही।

इस प्रतिष्ठित आयोजन की आयोजन समिति में प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी सहित कई वरिष्ठ मंत्री एवं जनप्रतिनिधि शामिल थे।

देशभर से आए सैकड़ों प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे रायपुर कुछ दिनों के लिए राष्ट्रीय शतरंज का केंद्र बन गया। इस प्रतिष्ठित स्पर्धा ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय शतरंज मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाई। आयोजन की सफलता से यह स्पष्ट हुआ कि छत्तीसगढ़ बड़े राष्ट्रीय स्तर के शतरंज आयोजनों की मेजबानी करने में पूरी तरह सक्षम है। इसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शतरंज संघों के बीच समन्वय और सहयोग को नई दिशा मिली। इस प्रतियोगिता ने प्रदेश में शतरंज के प्रति शासन स्तर पर विश्वास को और मजबूत किया तथा भविष्य में बड़े आयोजनों का मार्ग प्रशस्त किया। इसी का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2002 व में छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से ह्लछत्तीसगढ़ चीफ मिनिस्टर ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर चेस टूनामेंटह्व जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन का सफल आयोजन संभव हो सका। इस प्रकार राष्ट्रीय सब जूनियर ओपन एवं गर्ल्स चेस चैंपियनशिप न केवल छत्तीसगढ़ शतरंज के विकास में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि इसने प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय शतरंज मंच की ओर अग्रसर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ के शतरंज का सितारा कियान अग्रवाल ने महज 8 वर्ष की अल्पायु में कैंडिडेट मास्टर का प्रतिष्ठित खिताब हासिल कर प्रदेश के शतरंज इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। कियान अग्रवाल ने वर्ष 2017 में रोमानिया में आयोजित वर्ल्ड स्कूल चेस चैंपियनशिप में भाग लिया, जिसमें 60 देशों के खिलाड़ियों ने सहभागिता की।

“ छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम राज्य सीनियर शतरंज स्पर्धा दुर्ग जिला शतरंज संघ एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वावधान में 10 जून से 15 जून 2001 को आयोजित की गई । जिसमें 73 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। रविकुमार ने प्रतियोगिता के अंतिम चक्र में जीत दर्ज कर 7.5 अंकों के साथ छत्तीसगढ़ के पहले राज्य विजेता का खिताब जीतकर राज्य की राजधानी रायपुर को सौगात दी थी। इस प्रतियोगिता में योगेश गोरे,संतोष कौशिक,शेख इदु, गुलशन बग्गा, पी एल शास्त्री,आर पी सिंह ,राजेश अग्रवाल,अलंकार भिवगड़े,पी सी शर्मा एवं रणवीर भट्टी जैसे शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों ने सहभागिता की थी। ”

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है? प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ़ ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है।

डॉ० प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें—सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से चलने दो कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ ह्लमैनेजह्व कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है—ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन—लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं—कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है—जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक। सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है? प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ़ ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है।

ऑरोरा मुख्य रूप से ध्रुवीय क्षेत्रों जैसे- आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्र के आकाश में दिखती हैं। यह नजारा इतना रंग-बिरंगा और अद्भुत होता है कि लोग इसे देखने के लिए खिंचे चले आते हैं। शरद और वसंत के समय में जब रात और दिन बराबर होते हैं, तब यानी 21 मार्च और 23 सितंबर को इसे आसानी से देखा जा सकता है।

रोशनी का अद्भुत नजारा ऑरोरा

ऑरोरा ऐसी प्राकृतिक प्रकाशीय घटना है, जो मुख्य रूप से ध्रुवीय क्षेत्रों जैसे-आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्र के आकाश में दिखती हैं। यह नजारा इतना रंग-बिरंगा और अद्भुत होता है कि लोग इसे देखने के लिए खिंचे चले आते हैं। ज्यादातर ऑरोरा एक बैंड में पाई जाती हैं, जिसे औरोरल जोन कहते हैं। इसका फैलाव 3 से 6 डिग्री अक्षांश तक होता है और इसे जियोमैग्नेटिक पोल से 10 से 20 डिग्री दूर तक देखा जा सकता है। शरद और वसंत के समय में जब रात और दिन बराबर होते हैं, तब यानी 21 मार्च और 23 सितंबर को इसे आसानी से देखा जा सकता है। इस समय में सौर हवाओं के साथ भारी मात्र में आयन पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ आते हैं और एक जियोमैग्नेटिक तूफान औरोरल जोन को नीचे के अक्षांशों की तरफ फैलाता है।

आकाश में बनती हैं आकृतियां

ऑरोरा को दो वर्गों में विभाजित किया गया है- डिफ्यूज या फैलाववाली और अनिरंतर या डिस्क्रीट। डिफ्यूज ऑरोरा एक तेज प्रकाशीय चमक होती है। यह किसी तरह की कोई आकृति नहीं बनाती। इसे अंधेरी रातों में भी नंगी आंखों से पहचानना मुश्किल है। इसके विपरीत डिस्क्रीट ऑरोरा आकाश में तरह-तरह की स्पष्ट आकृतियां उत्पन्न करती हैं। इसकी चमक इतनी तेज होती है कि इसकी रोशनी में आसानी से न्यूजपेपर भी पढ़ा जा सकता है, मगर इनकी चमक सूर्य के प्रकाश से ज्यादा तेज नहीं होती है। अतः ये सिर्फ रात में ही दिखती हैं। दिन में इनका कुछ पता नहीं चलता। यह नजारा इतना अद्भुत होता है कि इसे देखने और इन दृश्यों को अपने कैमरे में कैद करने के लिए दुनिया भर से लोग हर साल बड़ी तादाद में ध्रुवीय क्षेत्रों में पहुंचते हैं। उत्तरी ध्रुव में इसे ऑरोरा बोरेलिस या नॉर्दर्न लाइट के नाम से जाना जाता है। दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले इसके प्रतिरूप को ऑरोरा ऑस्ट्रैलिस या साउदर्न लाइट के नाम से जाना जाता है। साउदर्न लाइट को दक्षिणी अक्षांशीय क्षेत्रों जैसे अंटार्कटिका, साउथ अमेरिका, न्यूजीलैंड, और ऑस्ट्रेलिया में देखा जा सकता है।

दूसरे ग्रहों पर भी बनते हैं ऑरोरा

पृथ्वी की ही तरह दूसरे ग्रहों पर भी ऑरोरा उत्पन्न होती हैं। वहां भी इन्हें ध्रुवीय क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

कैसे उत्पन्न होती हैं ऑरोरा

सूर्य से उत्पन्न होने वाली सौर हवाओं के साथ लगातार आयनों का प्रवाह होता रहता है। जैसे ही ये आयन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में प्रवेश करते हैं इनमें से ज्यादातर ध्रुवीय क्षेत्रों की तरफ आकर्षित होते हैं और पृथ्वी के साथ-साथ गति करने लगते हैं। इससे वातावरण में मौजूद कणों और इन आयनों के बीच टक्कर होने से काफी मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न होती है और यही ऊर्जा हमें ऑरोरा के रूप में ध्रुव के आस-पास के एक विशाल क्षेत्र में देखने को मिलती है। जब सौर हवाओं की गति बढ़ जाती है तब ऑरोरा और भी ज्यादा चमकीले रूप में दिखती है। अलग-अलग अक्षांशीय क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। ये अनेक रंगों जैसे लाल, पीले, नीले, गुलाबी और हरे रंगों में दिखते हैं।

ऐसे बनते हैं रंग

जब आयनीकृत नाइट्रोजन के कण इलेक्ट्रॉन ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन और नाइट्रोजन के परमाणु उत्तेजित से शांत अवस्था में आते हैं, तब फोटोंस (प्रकाश कणों) के ऊपरी वातावरण में प्रवेश करने के साथ रंग-बिरंगी छटा उत्पन्न होती है। ये कण सौर हवाओं और वातावरण में मौजूद कणों के आपस में टकराने और पृथ्वी के साथ गति करने के कारण आयनीकृत होते हैं। इस दौरान मुक्त होनेवाली ऊर्जा जब ऑक्सीजन के संपर्क में आती है, तो हरे या भूरे और लाल रंग की प्रकाशीय चमक उत्पन्न होती है। नाइट्रोजन के प्रवाह से नीले या लाल रंग की चमक उत्पन्न होती है। इस दौरान हरा रंग बनने में एक सेकेंड के तिहाई हिस्से से भी कम वक्त लगता है जबकि लाल रंग बनने में कम से कम 2 मिनट का समय लगता है। यही वजह है कि ऑरोरा में हरा रंग सबसे ज्यादा देखने को मिलता है। ध्रुव के सबसे नजदीक के क्षेत्रों में लाल रंग सबसे ज्यादा दिखता है। लाल रंग हलके हरे रंग के साथ मिल कर गुलाबी और गहरे हरे रंग के साथ मिल कर पीला रंग देता है। इसी कारण रंग-बिरंगी छटा उत्पन होती है।

आवाजें भी उत्पन्न करती हैं ऑरोरा

लोक कथाओं और प्रत्यक्षदर्शियों की मानें, तो ऑरोरा कई तरह की आवाजें जैसे-तालियों की आवाज, पटाखों की आवाज आदि भी उत्पन्न करती हैं। 2012 में फिनलैंड की आल्टो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इन आवाजों को रिकॉर्ड किया और साबित किया कि वास्तव में ये आवाजें उत्पन्न कर सकती हैं। ये आवाजें धरती से कम-से-कम 80 मीटर की ऊंचाई पर उत्पन्न होती हैं। इसी कारण इन्हें सुनना मुश्किल है। इसे 100 में से एक मामलों में ही सुना जा सकता है वो भी तब जब ऑरोरा बहुत अधिक मात्रा में हों और हवा का बहाव न के बराबर हो।

कई लोक-कथाएं भी हैं प्रचलित

अमेरिकन इंडियन, साइबेरिया की जनजातियों, बाल्टिक देशों, रूस और मंगोलिया के लोगों के बीच ऑरोरा की कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। इनमें से एक के मुताबिक एक आर्कटिक लोमड़ी उत्तर की ओर अनंत तक दौड़ती हुए चली गई और अपने फरों से पर्वतों को छूने लगी। उसी के फर ऑरोरा के रूप में आकाश में दिखते हैं। एक दूसरी कहानी के अनुसार लोमड़ी अपनी पूंछ से आकाश में बर्फ फेंकती है। इससे ऑरोरा उत्पन्न होती है। लोमड़ी अपनी पूंछ से जो बर्फ आकाश में फेंकती है, उससे चांद की रोशनी रिफ्लेक्ट होकर ऑरोरा के रूप में दिखती है। एक और किस्सा व्हेल के शरीर से निकलने वाली पानी की तेज धारा से संबंधित है। ध्रुवीय क्षेत्र के निवासियों की धारणा रही है कि जब उनके पूर्वजों की आत्माएं नृत्य करती हैं, तब ये किरणें उत्पन्न होती हैं। यूरोप में इसे ईश्वरीय संकेत माना जाता था।

गुफाओं के अंदर बसा है तुर्की का अंडरग्राउंड शहर

दोस्तों, तुर्की में सेंट्रल एनातोलिया में एक कस्बा है केप्पादोसिया। इस जगह चट्टानों के विशेष आकार और रंग के कारण इस जगह को चंद्रमा जैसी धरती के तौर पर जाना जाता है। इस्तांबुल से 730 किलोमीटर दूर इस कस्बे को अंडरग्राउंड सिटी कहा जाता है। बाहर से यह बड़े कस्बे जैसा नजर आता है, लेकिन यहां गुफाओं के अंदर चर्च, घर, अस्पताल और स्कूल बने हैं। पर्यटन के लिहाज से इस शहर को विशेष मान्यताएं मिली हुई हैं। ऊंचे पहाड़, गहरी खाइयां और घुमावदार रास्ता होने के कारण यहां पहुंचना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन पर्यटकों के लिए विशेष परिवहन सुविधाएं हैं। इसके अलावा हॉट एयर बैलून के रोमांच का अनुभव लेने वाले लोग यहां जरूर पहुंचते हैं। मौसम साफ रहने की स्थिति में हर दिन यहां हॉट एयर बैलून की उड़ानों का दौर शुरू होता है। ऐसी मान्यताएं हैं कि केप्पादोसिया और इसके आसपास के इलाके प्राचीनकाल में उस दौर के हैं, जब मानव ने अपने लिए घर बनाने शुरू किए थे। शुरुआत पहाड़ों को काटकर उनमें घर बनाने से हुई थी। इसका अन्य उद्देश्य खतरनाक वन्यप्राणियों से खुद की रक्षा करना भी था। हालांकि, आज यह क्षेत्र आधुनिकता में किसी तरह पीछे नहीं है। यही कारण है कि पर्यटक इस शहर की खूबसूरती को करीब से निहारते हैं।

राधा का प्रेम और मीरा की भक्ति

कृष्ण की रानियां अनेक थी...
पर प्रेम की कहानी सिर्फ राधा तक सिमट गई!
बंधन में बंधे रिश्ते इतिहास के पन्नों में दर्ज होते हैं,
पर बंधन से परे रिश्ते आत्मा की स्मृतियों में अमर हो जाते हैं!
राधा का प्रेम...
ना वचन मांगता था, ना प्रमाण!
वो तो बस साँसों की तरह कृष्ण में धुल जाता था!
कृष्ण की बाँसुरी जब गूंजती,
तो उसमें राधा की धड़कन बहती थी!
और राधा की आँखों में जब आँसू छलकते,
तो उसमें कृष्ण का अनंत झलकता था!
मीरा की भक्ति भी वही अनंत थी...
बंधन तोड़कर, मयार्दा छोड़कर,
सिर्फ कृष्ण में खो जाने का साहस!
उसने तन से नहीं,
आत्मा से प्रेम किया!
शायद यही कारण है...
कि लोग रुकमणि का नाम भुला देते हैं!
सत्यभामा का गौरव भी विस्मृत हो जाता है,
पर राधा का प्रेम और मीरा की भक्ति,
युगों तक गाई जाती है!
क्योंकि
शरीर के रिश्ते नश्वर होते हैं, और आत्मा के रिश्ते अनंत!

उषा पटेल
दुर्ग, छत्तीसगढ़

भाजयुमो के जिला कार्य समिति सदस्य बने अनुराग

♦भारत टाइम्स♦
अजहर अंसारी

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा के निर्देशन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की सहमति से भाजयुमो जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता द्वारा घोषित सूची में अनुराग द्विवेदी को भाजयुमो जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। अनुराग द्विवेदी पूर्व में भाजयुमो मंडल कार्यसमिति सदस्य, आईटी सेल जिला कार्यसमिति सदस्य तथा भाजयुमो जिला कार्यसमिति सदस्य जैसे पदों पर रहते हुए सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। इस नियुक्ति पर द्विवेदी ने पार्टी की विचारधारा, अनुशासन और संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा से दायित्व का निर्वहन करने की बात कही है।

बेटियों के लिए संचालित आशा लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर का तीन वर्ष वर्ष पूरा

सुविधाओं और संसाधन के सही उपयोग से बच्चियां पूरे कर सकती हैं अपने सपने: रंजू सिंह

♦भारत टाइम्स♦
अजय चौबे /वाराणसी

वार्षिकोत्सव में छात्राओं ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम
बेटियां पढ़े आगे बढ़ें के संकल्प से संचालित की जा रही है ई-लाइब्रेरी

ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, ऑनलाइन कोचिंग क्लास, परीक्षाओं की पुस्तकों, पत्रिकाओं, खेलकूद के सामान की व्यवस्था एक ही छत के नीचे करने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा भंदहा कला (कैथी) गाँव में संचालित किये जा रहे ई -लाइब्रेरी एवं स्टडी सेंटर के तीन वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र की छात्राओं ने वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया । मुख्य अतिथि लोक चेतना समिति की निदेशिका रंजू सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए उपयोगी कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है इसका भरपूर उपयोग कर ग्रामीण बच्चियां अपने सपनों को साकार कर सकती है, इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता नंदलाल मास्टर ने कहा कि आज लड़कियाँ किसी मामले में लड़कों से कम नही है बस उन्हें समुचित अवसर, सुविधाएं और मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

इस अवसर पर बच्चियों ने गीत, नाटक, नृत्य, संगीत जैसे अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये । उपस्थित आगंतुकों को सम्बोधित करते हुए आशा के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने बताया संस्था द्वारा बेटियां पढ़ें खूब आगे बढ़ें का उद्धेश्य लेकर इस केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिससे क्षेत्र की बालिकाएं अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की बेहतर सेवा में अपना योगदान दे सकें । 12 गांवों की सौ से अधिक छात्राएं केंद्र का नियमित लाभ पूरी तरह निःशुल्क ले रही है । केंद्र पर कक्षा 6 से 12 की बालिकाओं के गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के विशेष शिक्षण की भी व्यवस्था की गयी है ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम में संचालन मुस्कान पाल और प्रिया ने अध्यक्षता रणवीर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन निकिता यादव ने किया । इस अवसर पर सौरभ चन्द्र, प्रदीप सिंह, दीन दयाल, सरोज, सनी, प्रवीण पाण्डेय, रूबी पाण्डेय, रंजना पाण्डेय, साधना, अशोक यादव, राजकुमार पटेल, महेंद्र सिंह, रमेश प्रसाद, ब्रिजेश कुमार, मिथिलेश दुबे आदि की उपस्थिति रही।

मोदरान गांव मे प्राचीन ठाकुरजी मंदिर के जीर्णोद्धार का भूमि पूजन संपन्न हुआ

♦भारत टाइम्स♦
मोदरान कृष्णकुमार राजपुरोहित

मोदरान गांव में आस्था के प्रमुख दूसरे केंद्र श्री ठाकुरजी भगवान के प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण को लेकर समस्त ग्रामवासियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जगमालसिंह राजपुरोहित मोदरा ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर के कायाकल्प और भगवान की प्रतिमाओं के स्थानांतरण को लेकर ऐतिहासिक निर्णय लिया गया वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन व मंदिर निर्माण की कड़ी में प्रथम चरण के तहत प्राचीन मंदिर परिसर में ही एक लघु (छोटे) नवीन मंदिर के निर्माण हेतु पूजन किया गया पंडित दिनेश कुमार भट्ट द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना हुई इस धार्मिक अवसर पर उपस्थित भगवान के प्रति श्रद्धा रखने वाले ग्रामीणों ने जयकारे लगाएं,

ग्रामीणों द्वारा जानकारी के अनुसार शिवरात्रि पर होगा प्रतिमा स्थानांतरण योजना के अनुसार, सर्वप्रथम एक छोटा नवीन मंदिर निर्मित किया जाएगा आगामी महाशिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर प्राचीन मंदिर में विराजमान ठाकुरजी महाराज की प्रतिमाओं को पूरी श्रद्धा के साथ इस छोटे नवीन मंदिर में विराजमान किया जाएगा

प्राचीन मंदिर का होगा भव्य जीर्णोद्धार

ठाकुरजी महाराज के छोटे मंदिर में विराजमान होने के पश्चात, मुख्य प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य तीव्र गति से शुरू होगा पुराने ढांचे के स्थान पर एक भव्य और कलात्मक नवीन मंदिर का निर्माण किया जाएगा जो स्थापत्य कला और भक्ति का संगम होगा निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात पुनः भगवान को मुख्य मंदिर में ससम्मान प्रतिष्ठित किया जाएगा । इस धार्मिक आयोजन के दौरान मोदरान गांव के ग्रामीण, समाजसेवी व युवा उपस्थित रहे सभी ने मंदिर निर्माण में तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया गांव में इस जीर्णोद्धार कार्य को लेकर भारी उत्साह है जो एक सनातन धर्म का एतिहासिक कार्यक्रम होगा!

सड़क हादसे में घायल गर्भवती महिला के लिए बने देवदूत तहसीलदार, तत्परता से बची दो जिंदगियां

सरकारी गाड़ी से पहुँचाया अस्पताल, मानवता की मिसाल पेश

♦भारत टाइम्स♦
अनिल चौधरी,हाथरस।

अलीगढ़-आगरा हाईवे पर 14 नंबर भट्टा के पास हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार आठ माह की गर्भवती महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इसी दौरान वहाँ से गुजर रहे तहसीलदार रजत कुमार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बिना देर किए महिला को अपनी सरकारी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया।

जानकारी के अनुसार, एक युवक अपनी गर्भवती पत्नी को बाइक से अलीगढ़ की ओर लेकर जा रहा था। 14 नंबर भट्टा के समीप आगे चल रही दो कारों की आपस में टक्कर हो गई। अचानक हुई इस दुर्घटना के चलते बाइक सवार भी संतुलन खो बैठा और उसकी बाइक आगे वाली कार से टकरा गई। हादसे में महिला सड़क पर गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

इसी दौरान क्षेत्र के तहसीलदार रजत कुमार वहां से गुजर रहे थे। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल अपना काफिला रुकवाया और घायल गर्भवती महिला को अपनी सरकारी गाड़ी में लिटाकर सासनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने महिला की हालत गंभीर बताते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहाँ उसका इलाज जारी है।

तहसीलदार के इस मानवीय और संवेदनशील कदम की स्थानीय लोगों और राहगीरों ने खुले दिल से सराहना की है। लोगों का कहना है कि ऐसे अधिकारी समाज में भरोसा और इंसानियत को जीवित रखते हैं।

खेत पर अकेली बुजुर्ग महिला पर अज्ञात हमलावरों ने किया जानलेवा हमला

अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती, पुलिस ने शुरू की तलाश

♦भारत टाइम्स♦
अनिल चौधरी,हाथरस।

जिले के कोतवाली मुरसान क्षेत्र के गाँव कटेला में 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला प्रेमवती देवी पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब महिला अपने खेत पर बने डेरे में अकेली थीं। हमलावरों ने उनके सिर पर किसी भारी वस्तु या हथौड़े से वार किया, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई।

परिजनों के अनुसार, प्रेमवती देवी दृष्टिहीन हैं और घटना के समय उनके बेटे खेत के अन्य कामों में व्यस्त थे। जब बेटा लौटकर आया, तो उसने अपनी माँ को लहूलुहान और अचेत अवस्था में पाया।

घायल महिला को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। परिजनों का कहना है कि शुरूआत में उनकी हालत देखकर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई, लेकिन अस्पताल में उनकी सांसें चल रही थीं। फिलहाल हमले के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

निस्वार्थ सेवा संस्थान की वार्षिक पत्रिका संस्करण-पांच का भव्य विमोचन, भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पशु सेवा और मानवता से जुड़े प्रत्येक कार्य में संस्थान की सकारात्मक सोच

♦भारत टाइम्स♦
अनिल चौधरी,हाथरस।

- **सेवा, संस्कार और समर्पण की सोच को समाज तक पहुँचाने का माध्यम बनी पत्रिका**
- **इस दौरान जरूरतमंद दिव्यांग बाबा को ट्राई साइकिल भेंट कर निभाई सामाजिक जिम्मेदारी**

शहर की निस्वार्थ सेवा संस्थान द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका ह्लसंस्करण-पांचह्व का भव्य विमोचन समारोह रविवार को टालिवाल धर्मशाला में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संस्थापक श्री विष्णु अग्रवाल एवं मुख्य अतिथि एडीजे हर्ष अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व आईपीएस आदित्य वर्मा द्वारा भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर पत्रिका का विधिवत विमोचन किया गया, जिसमें संस्थान द्वारा वर्ष भर किए गए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। पत्रिका में रोटी बैंक के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना, मूक पशुओं की सेवा, रक्तदान शिविरों का आयोजन, निर्धन विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग, निर्धन कन्याओं के विवाह में सहायता, अज्ञात शवों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार सहित अनेक सेवा गतिविधियों को तथ्यपूर्ण एवं प्रेरक रूप में दशार्या गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ सेवा संस्थान केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना की एक जीवंत विचारधारा है। संस्थान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाना है और पत्रिका ह्लसंस्करण-पांचह्व इसी संकल्प को प्रतिबिंबित करती है।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा एक जरूरतमंद एवं असहाय दिव्यांग बाबा को ट्राइसाइकिल प्रदान कर सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित नगर के पत्रकारों ने संस्थान के निरंतर सेवा कार्यों की सराहना करते हुए पत्रिका को समाज के लिए प्रेरणादायक और सकारात्मक संदेश देने वाली बताया। संस्थापक विष्णु अग्रवाल ने पत्रिका के संपादकीय मंडल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ह्लसंस्करण-पांचह्व न केवल संस्थान की उपलब्धियों का दस्तावेज है, बल्कि युवाओं को सामाजिक सेवा से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी है। समारोह में उपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों ने भविष्य में संस्थान के कार्यों में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सचिव नीरज गोयल, कोषाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी सीए प्रतीक अग्रवाल, प्रवक्ता हिमांशु गौड़, कॉर्डिनेटर चंद्र प्रकाश अग्रवाल, सोशल मीडिया प्रभारी सारांश टालीवाल, सह सचिव तरुण राघव, सह सचिव निश्कर्ष गर्ग सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

यूजीसी और एससी-एसटी मुद्दों पर बढ़ा सवर्ण आक्रोश

हाथरस में परशुराम सेना का विरोध प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

- **राजू कौशिक के नेतृत्व में पैदल मार्च रोका, धरना देकर ज्ञापन सौंपा**

♦भारत टाइम्स♦
अनिल चौधरी,हाथरस।

यूजीसी और एससी-एसटी से जुड़े विवादित मुद्दों को लेकर देश और प्रदेश में सवर्ण संगठनों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। अलग-अलग जिलों में धरना-प्रदर्शन और विरोध कार्यक्रम हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इसके क्रियान्वयन पर रोक लगाई है, लेकिन इसका असर सवर्ण संगठनों के विरोध पर नहीं पड़ा है। इसी कड़ी में हाथरस में राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजू कौशिक के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रशासन ने एहतियातन पिछले दो दिनों से राजू कौशिक को हाउस अरेस्ट किया हुआ था, ताकि कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। इसके बावजूद रविवार को उन्होंने और परशुराम सेना के पदाधिकारियों ने यूजीसी के विरोध में पैदल मार्च निकालने का प्रयास किया।

पुलिस ने मार्च को रोकते हुए प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान पदाधिकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। अनुमति न मिलने पर प्रदर्शनकारी धरने पर बैठ गए। काफी देर बाद पुलिस की समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। इसके बाद परशुराम सेना के प्रतिनिधिमंडल ने यूजीसी और एससी-एसटी मुद्दों पर अपना विरोध दर्ज कराते हुए प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन क्षेत्राधिकारी सदर को सौंपा।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनकी मांगों पर जब तक विचार नहीं किया जाता, उनका विरोध जारी रहेगा। प्रशासन ने शांति बनाए रखने और किसी को कानून हाथ में लेने की अनुमति न देने की बात कही। इस मौके पर शरद उपाध्य नंदा सहित सवर्ण समाज के दर्जनों लोग भी मौजूद रहे।

NITI AAYOG- RJ/2024/0483863
Regd. 202045/2022

भारतीय पत्रकार समिति®

INDIAN JOURNALIST COMMITTEE

तेजी से उभरता भारत का सबसे बडा पत्रकारों का संगठन

राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान शुरू

पत्रकारिता के हित में

पत्रकारो के हक में

पत्रकारिता से जुडे अधिस्वीकृत/अस्वीकृत व्यक्ति आज ही बने सदस्य
अपना बायोडाटा आईडी कार्ड सहित ईमेल करे

राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, जिला स्तर और तहसील स्तर कि कार्यकारिणी में जुडने के लिए सम्पर्क करे

प्रभारी, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कानूनी सलाहकार, कार्यकारिणी सदस्य

हमसे जुडे और पाये पत्रकारिता प्रशिक्षाण प्रमाण पत्र

Call/WhatsApp : 95097 45147

Email: indianjournalistcommittee@gmail.com

Legal partner

Media partner

THE FIRST VOICE न्यूज़

भारत टाइम्स NEWS

INDIAN JOURNALIST COMMITTEE®

केंद्रीय बजट 2026 विकास, सुधार और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला : अर्जुन राम मेघवाल

♦भारत टाइम्स♦
आचार्य स्कंद दास अयोध्या धाम

केन्द्रीय मंत्री ने सर्किट हाउस सभागार में गिनाई बजट 2026 की उपलब्धिया

सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने केंद्रीय बजट 2026 को उपलब्धियों और व्यापक सुधारों का बजट बताते हुए कहा कि यह बजट देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि माघ पूर्णिमा और संत रविदास जयंती जैसे ऐतिहासिक अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवां बजट पेश करना अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। किसी मातृशक्ति द्वारा सबसे अधिक बार बजट प्रस्तुत करने का यह ऐतिहासिक अवसर देश के लिए गौरव की बात है।

मेघवाल ने बताया कि बजट को तीन प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है। पहला भाग वर्ष 2026 की तात्कालिक आवश्यकताओं पर केंद्रित है, दूसरा आगामी पांच वर्षों के विकास की रूपरेखा तय करता है और तीसरा ह्यविकसित भारत 2047ह्ल के संकल्प को साकार करने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं को समर्पित है। उन्होंने कहा कि पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर, एमएसएमई सेक्टर और बैंकिंग क्षेत्र के लिए इस बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में बढ़े आवंटन का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे देश की सुरक्षा क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी, जबकि 2025 में यह चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

उन्होंने रिजर्व बैंक के हवाले से बताया कि देश की विकास दर 7.4 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान है, जो वैश्विक परिदृश्य में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, क्षेत्रीय महामंत्री व महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, शैलेन्द्र कोरी, तिलकराम मौर्या, डा राकेश मणि त्रिपाठी, राघवेन्द्र पाण्डेय, मनोज वर्मा, दिवाकर सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

युवा बीजेपी नेता यश पाठक घूसखोर पंडित शब्द के उपयोग पर बोले

अपमानजनक, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग

♦भारत टाइम्स♦
आचार्य स्कंद दास अयोध्या धाम

युवा बीजेपी नेता यश पाठक बाबा ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्मों और वेब सीरीज में घूसखोर पंडित जैसे शब्दों के प्रयोग को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज विशेष को अपमानित करने की कृत्य बताया है।यश पाठक बाबा ने कहा,आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के झंडे तले यदि किसी एक व्यक्ति के दूसरे चरित्र के गलत कार्यों से पूरे समाज को जोड़ा और पंडित जैसे सम्मानित शब्द को घूसखोर से जोड़ा जाता है, तो यह किसी भी संवैधानिक नैतिकता में फिट नहीं बैठता। कहीं ऐसा न हो कि समय आने पर किसी और समाज विशेष को भी इसी तरह निशाना बनाया जाए।यश पाठक बाबा ने स्पष्ट कहा कि पंडित समाज ने सदियों से ज्ञान, संस्कार, शिक्षा और नैतिकता की नींव रखी है। हम ऐसे किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जिसमें हमारी संस्कृति और मूल्यों का अपमान मनोरंजन के नाम पर किया जाए, उन्होंने जोर देकर कहा। यश पाठक बाबा ने चेतावनी दी कि यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह जारी रही, तो भविष्य में समाज की हर सांस्कृतिक पहचान मजाक और नफरत का विषय बन सकती है।

नवागन्तुक पुलिस उपमहानिरीक्षक सोमेन वर्मा ने अयोध्या परिक्षेत्र का पदभार संभाला

♦भारत टाइम्स♦
आचार्य स्कंद दास अयोध्या धाम

अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, अयोध्या परिक्षेत्र प्रवीण कुमार का स्थानान्तरण लखनऊ जोन, लखनऊ हो जाने के उपरान्त नवागन्तुक पुलिस उपमहानिरीक्षक, अयोध्या परिक्षेत्र श्री सोमेन वर्मा द्वारा पदभार ग्रहण किया गया।

पदभार ग्रहण के अवसर पर परिक्षेत्रीय कार्यालय में नियुक्त समस्त शाखा प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक सोमेन वर्मा ने अधिकारियों के साथ परिक्षेत्र की कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं प्राथमिकताओं पर चर्चा की।पदभार ग्रहण करते हुए नवागन्तुक पुलिस उपमहानिरीक्षक सोमेन वर्मा ने कहा,अयोध्या परिक्षेत्र में सेवा का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। अयोध्या परिक्षेत्र के जनपद अयोध्या, बाराबंकी, सुलतानपुर, अम्बेडकरनगर एवं अमेठी में शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण, महिला सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं दोषियों को सजा दिलाना हमारी प्राथमिकता होगी।उन्होंने आगे कहा कि सुचारू एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ माफिया एवं गैंगस्टर के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई तथा उनकी संपत्तियों के जब्तीकरण की कार्रवाई करते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जाएगा।नवागन्तुक पुलिस उपमहानिरीक्षक के पदभार ग्रहण से अयोध्या परिक्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई जा रही है।

पीएम रूंगटा मेमोरियल गोल्फ कप
अर्जुन कुच्छल बने ओवरऑल विजेता

जयपुर । रामबाग गोल्फ क्लब में रविवार को आयोजित पीएम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कपझ2026 दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव की मौजूदगी से खास बन गया। एक दिवसीय इस प्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंट में अर्जुन कुच्छल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में देशभर से आए 143 गोल्फर्स ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का आयोजन स्टेबलफोर्ड-सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में किया गया, जिसमें बिजनेस, उद्योग, न्यायपालिका, सेना और रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेल भावना का परिचय दिया। समापन अवसर पर भव्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। जिसमें विभिन्न हैंडीकैप कैटेगरी के विजेता और उपविजेताओं को सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 में देवेंद्र राजावत और 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर विजेता रहे। वहीं उपविजेताओं में 0-9 में दीप करन सिंह, 10-18 में योगेंद्र सिंह और 19-24 में योगेंद्र गोटेवाल शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान को प्रदान किया गया, जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया ने जीता। टूर्नामेंट के दौरान कपिल देव, मदन लाल, गगन खोड़ा और अमृत माथुर जैसे सेलिब्रिटी गोल्फर्स भी मैदान पर नजर आए। मीडिया से बातचीत में कपिल देव ने कहा कि जयपुर में इस तरह का गोल्फ टूर्नामेंट खेलना और यहां का उत्साह देखना वाकई शानदार अनुभव है। ऐसे आयोजन न केवल गोल्फ को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी जुड़ाव भी मजबूत करते हैं। फाउंडेशन के ट्रस्टी गौरव रुंगटा ने बताया कि यह टूर्नामेंट अब हर वर्ष आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोल्फ अनुशासन,धैर्य और रणनीतिक सोच विकसित करने का माध्यम है और फाउंडेशन भविष्य में उभरते युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण व विकास के अवसर उपलब्ध कराएगा।

लटोरी विद्युत वितरण केंद्र में रजत जयंती समारोह सम्पन्न ऊर्जा संरक्षण और सरकारी योजनाओं पर दिया गया जोर

♦भारत टाइम्स♦
अजहर अंसारी

छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लटोरी विद्युत वितरण केंद्र के कनिष्ठ अभियंता कार्यालय प्रांगण में रजत जयंती समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विद्युत विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया। यह समारोह राज्य की विकास यात्रा का उत्सव होने के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण और जनजागरूकता का महत्वपूर्ण संदेश भी दे गया।

समारोह की मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नूतन विश्वास रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथियों में किसान मोर्चा जिला कार्यसमिति सदस्य शरद चन्द्र द्विवेदी, बीडीसी मोहरलाल चेरवा एवं सरपंच सुरजीत कुमार शामिल हुए। अतिथियों के स्वागत के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में कनिष्ठ अभियंता साजीद शेख ने विद्युत विभाग की योजनाओं और ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपभोक्ताओं को सोलर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि सोलर सिस्टम से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को विभाग द्वारा लिया जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ मिलता है और बिजली खर्च में कमी आती है। उन्होंने राज्य शासन की -200 यूनिट बिजली बिल हाफ योजनाह्ल तथा ह्लप्रधानमंत्री सूर्य घर योजनाह्ल की जानकारी देते हुए कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य आम नागरिकों को राहत प्रदान करना और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है।

साजीद शेख ने स्मार्ट मीटर की उपयोगिता पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस यह व्यवस्था बिजली उपभोग की सटीक जानकारी प्रदान करती है और बिलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाती है। किसी भी प्रकार की शंका होने पर विभाग द्वारा जांच की समुचित व्यवस्था की जाती है, ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास बना रहे। उन्होंने नागरिकों से बिजली का विवेकपूर्ण उपयोग करने, अनावश्यक खपत से बचने और समय पर बिल भुगतान करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान लगातार दो वर्षों तक समय पर बिजली बिल का भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस पहल से जिम्मेदार उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन मिला और अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिली कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

मुख्य अतिथि नूतन विश्वास ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की विकास यात्रा जनभागीदारी, सुशासन और दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर तक सस्ती, सुरक्षित और निर्बाध बिजली पहुंचे, क्योंकि रोशन घर ही प्रगतिशील समाज की पहचान होते हैं। ऊर्जा संरक्षण को समय की मांग बताते हुए उन्होंने नागरिकों से इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

स्मार्ट मीटर से जुड़ी शंकाओं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मीटर की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सपोर्टिंग मीटर लगाए जाते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को पारदर्शी और सही बिलिंग का भरोसा मिलता है। उन्होंने सोलर ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्रोतों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि जागरूक नागरिक ही विकास की मजबूत नींव होते हैं।

विशिष्ट अतिथि शरद चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि बिजली आज केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि विकास की आधारशिला बन चुकी है। जब गांव और कस्बे रोशन होते हैं, तब शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने सोलर ऊर्जा को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ दीर्घकालीन रूप से किफायती भी है।

द्विवेदी ने लोगों से समय पर बिजली बिल का भुगतान करने और जिम्मेदार उपभोक्ता बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाएं आमजन के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से बनाई गई हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक को इनके प्रति जागरूक रहना चाहिए और दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। सामूहिक सहयोग से ही क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम में कनिष्ठ अभियंता साजीद शेख, कनिष्ठ अभियंता अजय तिवारी सहित विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। रजत जयंती का यह आयोजन न केवल राज्य की उपलब्धियों का उत्सव बना, बल्कि ऊर्जा संरक्षण, आधुनिक विद्युत सेवाओं और जनजागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

जयपुर में 88 विराट हिंदू सम्मेलन

सामाजिक समरसता, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का विराट संदेश

जयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को जयपुर महानगर की 88 बस्तियों में एक साथ विराट हिंदू सम्मेलनों का आयोजन हुआ। इन सम्मेलनों में सामाजिक समरसता,पारिवारिक संस्कार, पर्यावरण संरक्षण,स्वदेशी और राष्ट्रभाव को सशक्त संदेश दिया गया। औसतन प्रत्येक कार्यक्रम में करीब 2000 से अधिक नागरिकों की सहभागिता रही। जबकि 1000 से अधिक मातृशक्ति ने कलश यात्राएं और 1 हजार 500 से अधिक महिलाओं ने तुलसी यात्राओं में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सम्मेलनों की शुरूआत विभिन्न क्षेत्रों में भव्य कलश यात्राओं, भगवा रैलियों और प्रभात फेरियों से हुई। पिछले 15 दिनों से घर-घर पीले चावल देकर समाज जागरण किया गया। कार्यक्रमों में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण, स्वच्छता अभियान और पौधारोपण को विशेष महत्व दिया गया। मानसरोवर, ब्रह्मपुरी, महारानी फार्म, आमेर, करधनी, मालवीय नगर, झोटवाड़ा, प्रताप नगर, चारदीवारी और सी-स्कीम सहित कई क्षेत्रों में हुए सम्मेलनों में पंच-परिवर्तन–सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक शिष्टाचार–पर केंद्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और बौद्धिक सत्र हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र कार्यवाह जसवंत खत्री ने कहा कि हिंदुत्व ही विश्वबंधुत्व की आधारशिला है। समाज की एकता और राष्ट्रीयता को और मजबूत करना होगा। विभिन्न मंचों से वक्ताओं ने कहा कि संगठित समाज ही संस्कृति और पहचान की रक्षा कर सकता है। सम्मेलनों में गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण, दहेज मुक्त विवाह करने वाले परिवारों, संयुक्त परिवारों, वीर माताओं, शहीद सैनिकों के परिजनों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन, हनुमान चालीसा पाठ, गायत्री यज्ञ, लोकनृत्य और देशभक्ति प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बनाया।

संत मोहनलाल महाराज ने कहा कि गो, गंगा और गीता सनातन धर्म के तीन स्तंभ हैं। पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता ही उन्नति का मार्ग है।

आयोजकों के अनुसार महानगर की कुल 291 बस्तियों में चरणबद्ध रूप से विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 88 बस्तियों में हुए आयोजनों ने जयपुर में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण और पर्यावरण चेतना का विराट संदेश दिया।